www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

# भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

**मौसम**

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

**बाजार**

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 किसानों के हित में तनकर खड़ा भारत, देश ने साफ कर दिया अमेरिका को नहीं मिलेगी रियायत

पुतिन ने पीएम मोदी को फोन किया 06

वर्ष :17 | अंक :139 | प्रयागराज , मंगलवार 19 अगस्त, 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

## बेटी को गोद में लेकर महिला तीसरी मंजिल से कूदी, बच्ची की मौत, पति गिरफ्तार

जयपुर के मुरलीपुरा थाना क्षेत्र में एक महिला के पांच साल की अपनी बेटी के साथ तीसरी मंजिल से कूद जाने से बच्ची की मौत हो गयी जबकि मां गंभीर घायल हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि महिला का उपचार चल रहा है तथा इस संबंध में उसके पति को गिरफ्तार किया गया है।

थानाधिकारी वीरेंद्र कुरील ने बताया कि बृहस्पतिवार को मंजू मीणा (32) के तीसरी मंजिल से कूदने पर उसकी पांच साल की बच्ची प्रियांशी की मौत हो गई थी तथा घायल महिला का उपचार चल रहा है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मंजू के भाई की ओर से दर्ज शिकायत के आधार पर महिला के पति रविंद्र कुमार (35) को शनिवार रात को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## ओडिशा में महिला पुलिस कांस्टेबल का शव पेड़ से लटका मिला, पति और सास गिरफ्तार

ओडिशा में शनिवार को नुआपड़ा रेलवे स्टेशन के पास एक महिला पुलिस कांस्टेबल का शव एक पेड़ से लटका मिला। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मृत महिला के पति और सास को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने कहा कि शव को पेड़ से लटका देखने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव बरामद होने से कुछ घंटे पहले महिला कांस्टेबल ने कई लोगों को कथित तौर पर वीडियो संदेश प्रेषित किया, जिसमें उसने कहा कि वह अपने पति और ससुराल वालों द्वारा दी जा रही यातना की वजह से आत्महत्या करने जा रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, हमने आत्महत्या के लिये उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है। हम वीडियो की जांच कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने महिला कांस्टेबल के पति और सास को गिरफ्तार कर लिया और उन्हें अदालत में पेश किया। नुआपाड़ा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने कहा, जांच के दौरान पता चला कि कांस्टेबल का पति और सास उसे परेशान कर रहे थे, इसलिए हमने उन्हें गिरफ्तार किया है।

# सरकारी संपत्ति तोड़ने का अधिकार नहीं, निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी, विपक्ष को ओम बिरला की चेतावनी

## लोकसभा में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला पर विशेष चर्चा एसआईआर पर विपक्ष का हंगामा जारी

**लोकसभा की कार्यवाही**

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ सोमवार को संसद भवन परिसर में विपक्षी गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) के घटक दलों के सदस्यों ने प्रदर्शन किया।

एजेंसी

नयी दिल्ली। विपक्षी सदस्यों के बार-बार व्यवधान के कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन पर निर्धारित विशेष चर्चा भी बाधित रही। भारतीय बंदरगाह विधेयक, 2025 पारित होने के बाद राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। इस साल 30 जून तक नियामक और भू-राजनीतिक मुद्दों के कारण 5,706 उड़ानें रद्द की गईं। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ सोमवार को संसद भवन परिसर में विपक्षी गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) के घटक दलों के सदस्यों ने प्रदर्शन किया।

संसद ने सोमवार को बंदरगाह क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण प्रावधानों वाले भारतीय पत्तन विधेयक, 2025 को मंजूरी दे दी तथा केंद्रीय पत्तन परिवहन और जलमार्ग मंत्री सवानंद सोनोवाल ने कहा कि भारत को विकसित देश बनाने के लक्ष्य को पाने में बंदरगाह क्षेत्र के योगदान को बढ़ाने में इस प्रस्तावित कानून की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। राज्यसभा में इस विधेयक पर चर्चा और मंत्री सोनोवाल के जवाब के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को कहा कि कुल 56.04 करोड़ प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) खातों में से 23 प्रतिशत निष्क्रिय हैं। उन्होंने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि 31 जुलाई 2025 के अंत तक 56.03 करोड़ पीएमजेडीवाई खातों में से 13.04 करोड़ खाते निष्क्रिय हैं।

### चुनाव आयोग ने वोट चारी के दावों का खंडन किया

एक दिन पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के भारतीय चुनाव आयोग पर लगाए गए 'वोट चोरी' के दावों का खंडन किया. उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता द्वारा लगाए गए पक्षपात के आरोपों को भारत के संविधान का अपमान करार दिया. साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से या तो एक हस्ताक्षरित हलफनामा प्रस्तुत करने या अपनी टिप्पणी के लिए देश से माफी मांगने भी कहा.

### एसआईआर को लेकर विपक्ष का प्रदर्शन

बता दें कि 21 जुलाई को संसद के मानसून सत्र की शुरूआत से ही विपक्षी दल वोटर लिस्ट के संशोधन का विरोध कर रहे हैं. सत्ता पक्ष ने विपक्ष पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया है. इस चल रही प्रक्रिया को 'चुपचाप, अदृश्य धांधली' करार देते हुए, इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने 'वोट चोरी' बंद करने का आह्वान करते हुए बैनर लहराए.

# एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार राधाकृष्णन ने पीएम मोदी से मुलाकात की

## उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एकजुट हुआ एनडीए, सीपी राधाकृष्णन की उम्मीदवारी पर विपक्ष की मिलीजुली प्रतिक्रिया

राधाकृष्णन की उम्मीदवारी के बाद भाजपा नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने आगे कहा कि राजनाथ सिंह जी एक वरिष्ठ नेता हैं। वह उत्तर प्रदेश से हैं, वह रक्षा मंत्री हैं। अगर वे बात करेंगे, तो हम बात करेंगे और अगर बात करने की जरूरत होगी, तो हम बात करेंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली : महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. यह मुलाकात सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन द्वारा उन्हें उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाए जाने के एक दिन बाद हुई. वह एनडीए की विभिन्न बैठकों में भाग लेने के लिए यहां पहुंचे और कई नेताओं से मुलाकात की. मुलाकात के तुरंत बाद मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सी. पी. राधाकृष्णन जी से मुलाकात की. एनडीए की तरफ से उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाए जाने पर उन्हें शुभकामनाएं दीं. जनसेवा के लंबे अनुभव और विभिन्न क्षेत्रों में उनकी विशेषज्ञता हमारे देश को समृद्ध बनाएगी. वह पहले की तरह ही समर्पण और दृढ़ निश्चय के साथ देश की सेवा करते रहें. राधाकृष्णन 20 अगस्त को अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं. मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक में उन्हें सम्मानित किए जाने की उम्मीद है. इससे पहले सोमवार को नई दिल्ली पहुंचने पर महाराष्ट्र के राज्यपाल और एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन का केंद्रीय मंत्री किरेन रीजिजू, राम मोहन नायडू, प्रह्लाद जोशी के अलावा दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व अन्य ने स्वागत किया.

कांग्रेस ने एनडीए द्वारा सी.पी. राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाए जाने की आलोचना करते हुए उन्हें एक और आरएसएस का आदमी बताया है। उपराष्ट्रपति का कार्यकाल पाँच वर्षों का होता है, हालाँकि, 21 जुलाई को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जगदीप धनखड़ के इस्तीफा देने के बाद यह पद रिक्त हो गया था। उपराष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है, जिसमें संसद के दोनों सदनों के सांसद होते हैं।

# चुनाव आयोग के खिलाफ एकजुट हुआ विपक्ष

समाचार एजेंसी एएनआई ने कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सैयद नसीर हुसैन के हवाले से कहा कि पार्टी जरूरत पड़ने पर महाभियोग प्रस्ताव समेत सभी लोकतांत्रिक हथकंडे अपनाने को तैयार है, हालाँकि अभी तक इस पर कोई औपचारिक चर्चा नहीं हुई है।

### सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव की तैयारी!

एजेंसी

'वोट चोरी' के चल रहे आरोपों के बीच, विपक्षी दल संसद के मानसून सत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव ला सकते हैं। सोमवार को कई रिपोर्टों में यह जानकारी दी गई। समाचार एजेंसी एएनआई ने कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सैयद नसीर हुसैन के हवाले से कहा कि पार्टी जरूरत पड़ने पर महाभियोग प्रस्ताव समेत सभी लोकतांत्रिक हथकंडे अपनाने को तैयार है, हालाँकि अभी तक इस पर कोई औपचारिक चर्चा नहीं हुई है। हुसैन ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो हम नियमों के तहत लोकतंत्र के सभी हथकंडे अपनाएँगे। अभी तक हमने (महाभियोग पर) कोई चर्चा नहीं की है, लेकिन जरूरत पड़ने पर हम कुछ भी कर सकते हैं। एक दिन पहले, ज्ञानेश कुमार ने संविधान के प्रावधानों और चुनावी कानूनों की धाराओं का हवाला देते हुए कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं द्वारा लगाए गए 'वोट चोरी' के आरोपों को खारिज करने की कोशिश की। उन्होंने गांधी के आरोपों को भारत के संविधान का अपमान करार दिया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति किसी निर्वाचन क्षेत्र का मतदाता नहीं है।

# मुख्य चुनाव आयुक्त ने हमारे सवालों का जवाब नहीं दिया

## इंडिया गठबंधन का आरोप, अपनी जिम्मेदारी से भाग रहा चुनाव आयोग

विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर एक बार फिर हमला बोला. मीडिया सम्मेलन में सभी पार्टियों के नेताओं ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाए. मीडिया को संबोधित करते महुआ मोइत्रा, गौरव गोगोई व प्रो. रामगोपाल यादव

एजेंसी

नई दिल्ली : विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भाजपा प्रवक्ता की तरह काम करने का आरोप लगाया. सोमवार को विपक्षी दलों के नेताओं ने कहा कि वह मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और मतदाता सूची में अनियमितताओं से संबंधित मुद्दों पर उनके सवालों का जवाब देने में विफल रहे. एक बैठक के बाद यहां एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, कांग्रेस, टीएमसी, सपा, डीएमके और राजद जैसे आठ प्रमुख विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों ने सीईसी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उनके द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देने के बजाय, उन्होंने रविवार को अपने संवाददाता सम्मेलन में उन पर हमला करना चुना. इस बारे में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि चुनाव आयोग का काम विपक्ष पर हमला करना नहीं है. मोइत्रा ने कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन के नेताओं की प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया, मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा कल एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कठपुतली का प्रदर्शन बेहद शर्मनाक था. चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों से भाग रहा है, वह अपनी जिम्मेदारी से भाग रहा है. मतदान का अधिकार संविधान द्वारा प्रदत्त सबसे महत्वपूर्ण अधिकार है.

हमारा लोकतंत्र पूरी तरह से आम लोगों के 'मतदान के अधिकार' पर निर्भर करता है.

# नांदेड़ में भारी बारिश के बाद 200 से अधिक लोग फंसे, बचाव कार्यों के लिए बुलाई सेना

नांदेड़ जिले में भारी बारिश के बीच विभिन्न गांवों में 200 से अधिक लोग फंस गए हैं, जिसके बाद प्राधिकारियों को बचाव और राहत कार्यों के लिए भारतीय सेना की मदद लेनी पड़ रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार और मंगलवार को भारी बारिश का अनुमान जताते हुए नांदेड़ जिले के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

एजेंसी

मराठवाड़ा के कुछ हिस्सों में पिछले कुछ घंटों से हो रही भारी बारिश ने चिंताजनक स्थिति पैदा कर दी है। नांदेड़ के मुखेड़ तालुका में रविवार रात बादल फटने से हुई बारिश के कारण छह गाँव पानी में डूब गए हैं। जलस्तर बढ़ने के कारण इन नागरिकों को बचाने के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) को बुलाया गया है और छोटी नावों और नावों की मदद से नागरिकों को निकालने का अभियान शुरू किया गया है। नांदेड़ जिले में भारी बारिश के बीच विभिन्न गांवों में 200 से अधिक लोग फंस गए हैं, जिसके बाद प्राधिकारियों को बचाव और राहत कार्यों के लिए भारतीय सेना की मदद लेनी पड़ रही है।

# 'संबंध सुधारने के लिए सीमा पर शांति जरूरी'

## चीनी विदेश मंत्री से बोले एस जयशंकर

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के निमंत्रण पर भारत आए चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक की.

एजेंसी

नई दिल्ली: चीनी विदेश मंत्री वांग यी सोमवार को दो दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे और एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक की. वांग यी, जो चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो के सदस्य भी हैं, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के निमंत्रण पर भारत यात्रा पर आए हैं. इस दौरान एस जयशंकर ने कहा कि भारत-चीन संबंधों में सुधार के लिए सीमा पर शांति जरूरी है. बैठक में विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा, आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के विरुद्ध लड़ाई एक और प्रमुख प्राथमिकता है. मैं हमारे विचारों के आदान-प्रदान की प्रतीक्षा कर रहा हूं. हमारी आशा है कि हमारी चर्चाएं भारत और चीन के बीच एक स्थिर, सहयोगात्मक और दूरदर्शी संबंध बनाने में योगदान देंगी, जो हमारे हितों की पूर्ति करेगा और हमारी चिंताओं का समाधान करेगा.

# तेजप्रताप की नई पार्टी- जनशक्ति जनता दल:2024 में बनाई थी

## बांसुरी चिन्ह था; लालू के बड़े बेटे इसी से बिहार चुनाव लड़ेंगे

एजेंसी

पटना , बिहार में लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव जनशक्ति जनता दल से बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। तेजप्रताप के करीबी बालेंद्र दास ने 2024 में यह पार्टी बनाकर लोकसभा चुनाव लड़ा था। तब उनका चुनाव चिन्ह बांसुरी था। बालेंद्र दास अध्यक्ष और प्रशांत प्रताप राष्ट्रीय महासचिव थे। सोमवार को जनशक्ति जनता दल को चुनाव आयोग से मान्यता मिल गई है। तेजप्रताप यादव चुनाव आयोग के दफ्तर पहुंचे और 30 मिनट तक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से बात की। चुनाव आयोग के अधिकारी ने भास्कर को बताया कि इस पार्टी को तेजप्रताप ने अपने नाम पर रजिस्टर करा लिया है।तेजप्रताप यादव ने 26 जुलाई को महुआ सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया था।

पलटवार संबित पात्रा बोले- इन्हें प्रधानमंत्री की कुर्सी सिंहासन लगती है

# राहुल गांधी के आरोपों पर बीजेपी का पलटवार

एजेंसी

नयी दिल्ली। नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों और विपक्ष के आरोपों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज मैं देख रहा था कि अनेक राजनीतिक पार्टियों के लोग बैठकर प्रेस वार्ता कर रहे थे। मैं पूछना चाहता हूं कि आपकी खंडपीठ बड़ी है, या सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ बड़ी है। उन्होंने कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट ने रकफ पर रोक नहीं लगाई है, तो आप कौन सी खंडपीठ हैं, जो घोषणा कर रहे है कि चोरी हो रही है। ये दिखाता है कि संवैधानिक संस्थाओं के साथ आप खिलवाड़ करते हैं। विपक्ष पर हमला जारी रखते हुए पात्रा ने कहा कि सिर्फ चुनाव आयोग ही नहीं, देश की ऐसी कोई संवैधानिक संस्था नहीं बची है, जिस परकांग्रेस परिवार व कांग्रेस परिवार के इर्द-गिर्द घूम रहे परिवारों ने हमला न किया हो। याद कीजिए, ये वही लोग है जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट पर अंगुली उठा दी थी। ये वही लोग हैं, जिन्होंने भारत के आर्मी चीफ को 'सड़क का गुंडा' कहने की हिमाकत की थी। ये वही लोग हैं, जो सर्जिकल स्ट्राइक, एयरस्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना पर हमला करने से नहीं कतराते हैं और सबूत मांगते हैं। पात्रा ने कहा कि इनका (कांग्रेस और उसके स ?हयोगियों का) मकसद घुसपैठियों को बचाना है। भारत की जनता जानती है कि आप किस प्रकार से वोटबैंक की, तुष्टिकरण की राजनीति और उसमें घुसपैठियों को जोड़कर अपना वोट बैंक बनाकर जीतना चाहते हैं। लेकिन इस देश के संसाधनों पर इस देश की जनता का अधिकार है किसी घुसपैठिए का अधिकार नहीं है। राहुल गांधी के यात्रा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों द्वारा की जा रही यात्राओं से कुछ नहीं होने वाला... यह निराशाजनक है कि चारा चोर और देश की हर चीज चुराने वाला परिवार एक संवैधानिक संस्था पर चोरी का आरोप लगा रहा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कल चुनाव आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और बिंदुवार तकनीकी खंडन किया... विपक्ष देश में अराजकता का माहौल चाहता है और इसलिए इसका राजनीतिक लाभ उठाना चाहता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि देश की कोई भी संवैधानिक संस्था ऐसी नहीं है जिस पर कांग्रेस पार्टी, राहुल गांधी, गांधी परिवार और उनके इर्द-गिर्द की हर वंशवादी पार्टी ने हमला न किया हो.

विपक्ष पर हमला जारी रखते हुए पात्रा ने कहा कि सिर्फ चुनाव आयोग ही नहीं, देश की ऐसी कोई संवैधानिक संस्था नहीं बची है, जिस परकांग्रेस परिवार व कांग्रेस परिवार के इर्द-गिर्द घूम रहे परिवारों ने हमला न किया हो। याद कीजिए, ये वही लोग है जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट पर अंगुली उठा दी थी।

# उत्तराखंड सरकार हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज बनाने का प्रयास कर रही है: मुख्यमंत्री धामी

एजेंसी

नयी दिल्ली।उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कहा कि जनता को स्थानीय स्तर पर ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का प्रयास कर रही है। यहां आयोजित उत्तराखंड चिकित्सा स्वास्थ्य सशक्तीकरण अभियान में 220 चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, हम प्रत्येक जिले में एक-एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 11 लाख से अधिक मरीजों को अब तक 21 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की कैशलेस इलाज की सुविधा प्रदान की जा चुकी है, जबकि श्रीनगर में कार्डियो और न्यूरोलॉजी तथा हल्द्वानी में कैंसर से संबंधित विशेष चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में सुदूरवर्ती क्षेत्रों से हेलीकॉप्टर के माध्यम से भी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। उन्होंने इस संबंध में कहा कि हाल में धराली आपदा के दौरान यह देखने को भी मिला।

मुख्यमंत्री ने कहा, आप मात्र चिकित्सक नहीं बल्कि देवभूमि के आरोग्य प्रहरी भी हैं। आप सभी को प्रदेश की चिकित्सा को जन सुलभ और नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूर्ण समर्पण और सेवाभाव से कार्य करना होगा।

## सम्पादकीय

### सुप्रीम कोर्ट हस्तक्षेप करे, चुनाव आयोग पर निराधार आरोपों पर एक्शन जरूरी

यह आवश्यक हो जाता है कि सुप्रीम कोर्ट इस पूरे प्रकरण में हस्तक्षेप करे। उसे हस्तक्षेप केवल इसलिए नहीं करना चाहिए क्योंकि वह इस मामले की सुनवाई कर रहा है बल्कि इसलिए भी करना चाहिए कि एक संवैधानिक संस्था की जड़ें खोदी जा रही हैं। आखिर सुप्रीम कोर्ट ऐसा होते हुए कैसे देख सकता है। यह अच्छा हुआ कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस कर वोट चोरी के आरोप लगा रहे राहुल गांधी के आरोपों का न केवल बिंदुवार जवाब दिया, बल्कि उन्हें बेनकाब करते हुए यह भी कहा कि वे या तो अपने निराधार आरोपों के संदर्भ में शपथ पत्र दें या सात दिनों के अंदर देश से माफी मांगें। राहुल गांधी को ऐसी चेतावनी देना आवश्यक था, क्योंकि वे अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा और गरिमा पर जानबूझकर चोट करने में लगे हुए हैं। इसके पहले वे और कुछ अन्य विपक्षी नेता ईवीएम में गड़बड़ी के आरोप लगाया करते थे। जब ऐसे आरोप निराधार साबित हुए तो वे वोट चोरी की नई कहानी लेकर सामने आ गए।मुख्य चुनाव आयुक्त ने जो कुछ कहा, उसका यही अर्थ था कि यह कहानी फर्जी है। उन्होंने हाउस नंबर जीरो वाले मतदाताओं के मामले में राहुल और उनके जैसे अन्य नेताओं को न केवल आईना दिखाया, बल्कि वस्तुस्थिति से भी अवगत कराया। इसी तरह उन्होंने महाराष्ट्र चुनावों में कथित धांधली के राहुल के आरोपों की पोल खोली। इसके साथ ही उनकी ओर से यह भी स्पष्ट किया कि यह पहली बार नहीं है कि बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण हो रहा है। ऐसा 2003 में भी हुआ था। इसमें संदेह है कि राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेता मुख्य चुनाव आयुक्त की बातों पर गौर करेंगे और अपना रवैया बदलेंगे। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि गत दिवस ही राहुल ने मुख्य चुनाव आयुक्त की प्रेस कांफ्रेंस से पहले बिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर वोट चोरी कर रहे हैं। उनकी मानें तो पिछले लोकसभा चुनाव में भी वोटों की चोरी हुई थी। अच्छा होगा कि राहुल अथवा उनके साथी-सहयोगी यह समझा दें कि यदि ऐसा हुआ था तो कांग्रेस 99 सीटें कैसे पा गई और भाजपा 240 पर क्यों सिमट गई? वास्तव में राहुल गांधी का इरादा तथाकथित वोट चोरी के मामले को उजागर करना नहीं, बल्कि चुनाव आयोग एवं भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बदनाम करके अविश्वसनीय बनाना है। वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि संभवतः यह जान गए हैं कि चुनावी मैदान में जीत हासिल करना उनके बस की बात नहीं। जो भी हो, यह आवश्यक हो जाता है कि सुप्रीम कोर्ट इस पूरे प्रकरण में हस्तक्षेप करे।

## आज का विचार

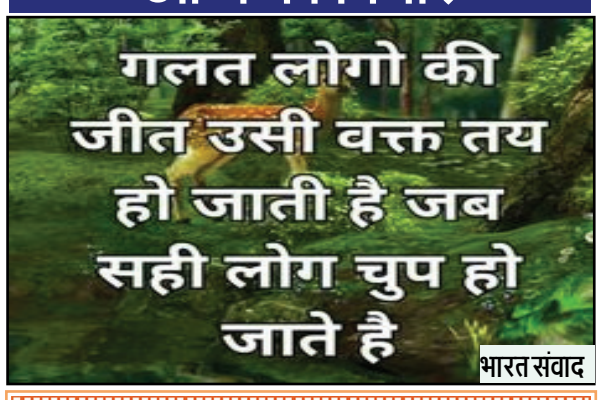


# किसानों के हित में तनकर खड़ा भारत, देश ने साफ कर दिया अमेरिका को नहीं मिलेगी रियायत

**अमेरिका में एक प्रतिशत भू-भाग में जीएम मक्का की खेती की गई जिसने 50 प्रतिशत गैर जीएम खेती को संक्रमित कर दिया। उत्पादन बढ़ाने की होड़ में चीन ने भी अपनी जमीन पर धान एवं मक्के की खेती की मगर पांच-छह वर्षों में ही वहां के किसानों को नुकसान उठाना पड़ा। वर्ष 2014 के बाद वहां से जीएम खेती लगभग बंद करनी पड़ी।**

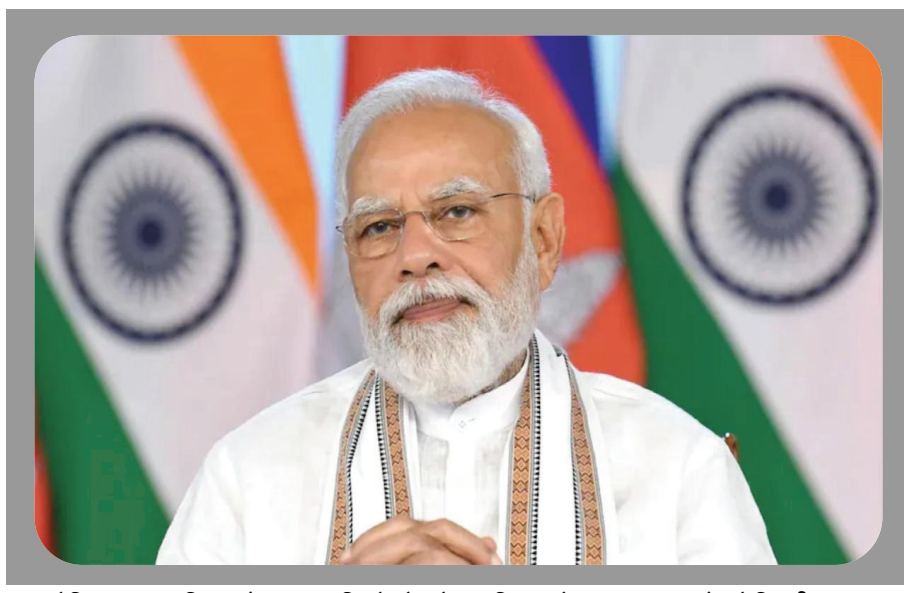

पा अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत की अनिश्चितता के बीच स्वतंत्रता दिवस समारोह पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से यह स्पष्ट किया कि वह किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों की रक्षा में दीवार की तरह खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि भारत उनके हितों से कभी कोई समझौता नहीं करेगा। पीएम मोदी की यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) में कृषि और डेरी क्षेत्रों में भारत से शुल्क में रियायत मांग रहा है। इससे पहले पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को संदेश देते हुए कहा था कि भारत अपने किसानों, मछुआरों और डेरी क्षेत्र के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा था कि यदि आवश्यक हुआ तो वह व्यक्तिगत रूप से बड़ी कीमत चुकाने को तैयार हैं प्रस्तावित बीटीए में अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और एथेनाल जैसे उत्पादों पर टैरिफ कम करने के साथ-साथ अमेरिकी डेरी उत्पादों की भारत में पहुंच बढ़ाने की मांग कर रहा है। ट्रंप द्वारा भारतीय उत्पादों के आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त सीमा शुल्क लगाने के आदेश के बाद पीएम मोदी का यह वक्तव्य और भी महत्वपूर्ण हो गया है। हालांकि ट्रंप का यह आदेश 27 अगस्त से लागू होगा, जिसके बाद कुल टैरिफ दर 50 प्रतिशत हो जाएगी। अमेरिका भारत में अपने कृषि उत्पादों के लिए बाजार चाहता है, लेकिन भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह डेरी क्षेत्र और जीएम सोयाबीन और मक्का के लिए अपना बाजार नहीं खोलेगा। अमेरिका में पशु आहार का उपयोग डेरी क्षेत्र में किया जाता है। भारत ने इस क्षेत्र में अपने पहले के किसी भी व्यापार समझौते में कभी भी शुल्क की कोई रियायत नहीं दी है। भारत में सांस्कृतिक और धार्मिक भावनाएं भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके अलावा अमेरिका द्वारा मवेशियों को पशु उत्पाद खिलाने की प्रथा को लेकर भी चिंताएं हैं, जो स्थानीय मानदंडों और सुरक्षा संबंधी धारणाओं का उल्लंघन करती हैं। डेरी क्षेत्र में धार्मिक भावनाएं जुड़ी हुई हैं, क्योंकि प्रतिबंधित मांस पदार्थों का इसमें प्रयोग होता है, इसलिए यह स्वीकार्य नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी के कड़े रुख अपनाने के कारण कृषि और देश के स्वाभिमान से जुड़े प्रश्नों को दरकिनार कर किसी समझौते की संभावना मुश्किल है। अमेरिका का आग्रह चीन को अपने निर्यात में गिरावट को लेकर उसकी चिंता से उपजा है। अमेरिका के सोयाबीन निर्यात में चीन का लगभग 55 प्रतिशत और मक्का निर्यात में 20 प्रतिशत हिस्सा है। अमेरिका भारत से संपर्क करके अपने खरीदार आधार का विस्तार करना चाहता है। कृषि व्यापार में भारत का अमेरिका को निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 में 6.25 अरब डालर रहा, जो 2023-24 में 5.52 अरब डालर था। वहीं कैलेंडर वर्ष 2023 में अमेरिका का भारत को निर्यात 37.3 करोड़ डालर था। वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका को भारत का कुल निर्यात 86.51 अरब डालर था, जबकि अमेरिका से आयात कुल 45.69 अरब डालर था। आज भारत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जहां वह एक छोर से द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर पहुंचने की कोशिश कर रहा है, जिससे उसे ट्रंप की टैरिफ व्यवस्था से मुक्ति मिल सके। भारत के लिए कपड़ा, चमड़ा, जूते-चप्पल जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए राहत सुनिश्चित करना एक प्राथमिक लक्ष्य बना हुआ है। इसी बीच पैकेज के हिस्से के रूप में जीएम सोयाबीन और मक्का के निर्यात को शामिल करने के अमेरिका के आग्रह ने वार्ता पर लंबी छाया डाल दी है। अमेरिका से व्यापार वार्ता में जीएम फसलें भी एक सीमा रेखा बनी हुई हैं। भारत ने वैश्विक बाजार में एक गैर-जीएम उत्पादक के रूप में विशेष रूप से सोया, खली निर्यात में एक विशिष्ट स्थान बनाया है, जहां खरीदार सक्रिय रूप से प्राकृतिक किस्मों की तलाश करते हैं। भारत में मक्का से एथेनाल कम मात्रा में बनता है और अधिकतम मानव आहार के रूप में उपयोग किया जाता है। जब पंजाब के लोग नशा विरोधी आंदोलन में पूरी तरह डूबे हुए हैं, तब जीएम के जरिए पंजाब की मिट्टी, पानी और हवा को और जहरीला बनाने की कोशिश बेहद निंदनीय है। पर्यावरण मंत्रालय की जेनेटिक इंजीनियरिंग अनुमोदन समिति ने इसे मंजूरी देने से इन्कार कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इसे अप्राकृतिक बता चुका है। भारत में अभी तक केवल जीएम फसलों के रूप में बीटी कपास की ही व्यावसायिक खेती हो रही है। 2010 में बीटी बैंगन को भी मंजूरी दिलाने की कवायद शुरू हुई थी, पर नौ राज्य सरकारों, कई पर्यावरण विशेषज्ञों, कृषि विशेषज्ञों, बुद्धिजीवियों और किसानों के व्यापक विरोध के कारण सरकार को अपना कदम वापस लेना पड़ा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इसके विरोध में आ गए हैं। विश्व के अन्य भागों में भी जीएम फसलों के परीक्षण अच्छे साबित नहीं हुए हैं। अमेरिका में एक प्रतिशत भू-भाग में जीएम मक्का की खेती की गई, जिसने 50 प्रतिशत गैर जीएम खेती को संक्रमित कर दिया। उत्पादन बढ़ाने की होड़ में चीन ने भी अपनी जमीन पर धान एवं मक्के की खेती की, मगर पांच-छह वर्षों में ही वहां के किसानों को नुकसान उठाना पड़ा। वर्ष 2014 के बाद वहां से जीएम खेती लगभग बंद करनी पड़ी। इसे देखते हुए भारत का अपने किसानों के हित में अमेरिका के सामने सख्त रुख अपनाना समय की मांग है।

## राशिफल

**मेष राशि:** दिन बेहद उत्तम और संतोषजनक रहने वाला है। आपकी आमदनी में वृद्धि होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा और कार्यक्षेत्र में भी धन प्राप्ति के शुभ योग बनते नजर आ रहे हैं। नौकरी करने वालों को प्रमोशन मिलने की संभावना भी बनी हुई है।

**वृषभ राशि:** व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। लाभ कमाने के सुनहरे अवसर मिल सकते हैं और सुख-संपत्ति में भी विस्तार होगा। कार्यक्षेत्र में किसी बुजुर्ग के सहयोग से धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं

**मिथुन राशि:** आपका दिन बेहद शुभ रहने वाला है। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर उच्च पद प्राप्त हो सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। सहयोगियों का भी आपको पूर्ण साथ मिलेगा। वहीं व्यवसाय में भागीदारी व साथियों का सहयोग मिलने से कई काम आसानी से पूरे होंगे।

**कर्क राशि :** व्यापार और कारोबार के मामले दिन अच्छा रहेगा। आपको कामकाज के सिलसिले में किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जिससे उत्तम परिणाम मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में मित्रों के सहयोग से आप मुश्किल कार्यों को भी आसानी से पूरा कर पाएंगे।

**सिंह राशि :** कुछ मित्रों के सहयोग से व्यवसाय के मामले में नए स्रोत बनते नजर आएंगे। आमदनी बढ़ने से आपका मन प्रसन्न रहेगा और अचानक बड़ी मात्रा में धन प्राप्त होने की संभावना भी बनी हुई है। इसी के चलते आपके मनोबल में भी वृद्धि होगी।

**कन्या राशि :** कार्यक्षेत्र में अपने काम को समय पर पूरा करने के लिए आपको अधिक मेहनत करनी होगी। इससे आपकी अपेक्षा के अनुसार आय में वृद्धि भी हो सकती है। लेकिन विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर आपको क्रोध से बचना होगा।

**तुला राशि:** आपको कार्यस्थल पर अपनी इच्छा के विरुद्ध कोई कार्य करना पड़ सकता है। इससे कुछ समय के लिए आप असहज भी महसूस करेंगे। आर्थिक मामलों में भी सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि अचानक खर्च बढ़ने की संभावना है। जो लोग नौकरी करते हैं

**वृश्चिक राशि :** आर्थिक मामलों में दिन अच्छा रहने वाला है। अगर लंबे समय से आपका धन कहीं फंसा हुआ था, तो अब वह वापस मिल सकता है। साथ ही, कार्यक्षेत्र में आपको किसी खास व्यक्ति का सहयोग मिल सकता है और व्यापार में लाभ कमाने के मौके मिलेंगे।

**धनु राशि :** आपको कार्यस्थल पर अपने महत्वपूर्ण काम को पूरा करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है और कुछ कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ेगा। विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर संयम रखना जरूरी होगा और कटु वाणी के प्रयोग से भी बचें।

**मकर राशि :** समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, उत्तम संपत्ति प्राप्त होने के भी शुभ संयोग बन रहे हैं। आर्थिक मामलों में आपको भाग्य पूर्ण साथ मिलेगा और धन में वृद्धि होने की संभावना है।

**कुंभ राशि :** कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। ऐसे में दिन भागदौड़ भरा रहने की संभावना है। संपत्ति का विस्तार और आय में वृद्धि होने के योग भी बन रहे हैं। लेकिन किसी निजी जीवन में क्रोध से बचना होगा, अन्यथा जीवनसाथी के साथ मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं।

**मीन राशि :** दिन मिश्रित फल प्रदान करने वाला रहेगा। संपत्ति के मामले में आपको कुछ धन खर्च करना पड़ सकता है। इससे आय के नए स्रोत विकसित होने के योग भी बने हुए हैं। व्यापार से जुड़ा कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है। राजनीति के क्षेत्र में संपर्क बढ़ने से लाभ मिलने की संभावना है। व्यवसाय में निवेश से लाभ हो सकता है और परिवार में रिश्तेदारों का आगमन हो सकता है।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

## सड़क के कुत्तों को डॉग शेल्टर होम में रखने के सुप्रीम आदेश के व्यवहारिक मायने दिलचस्प

कमलेश पांडेय

माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने गत सोमवार को दिल्ली-एनसीआर के इलाकों से सड़क के कुत्तों को पकड़ने और उन्हें डॉग शेल्टर में रखने का निर्देश दिया है, उसके व्यवहारिक मायने दिलचस्प हैं जबकि कतिपय नेताओं व पशु प्रेमियों ने इस सुप्रीम आदेश की सड़क छाप मुखालफत शुरू कर दी है। देखा जाए तो यह प्रेम या घृणा का मामला नहीं है बल्कि वह सामाजिक न्यायिक पहल है जिससे सबका लोकतंत्र सुनिश्चित होता है, खासकर उन बच्चों-बुजुर्गों का जिन्हें इनसे सर्वाधिक खतरा रहता है। इसी भय से कई बार वे अकेले पार्क या पड़ोस में जाने से घबराते हैं। दरअसल, कोर्ट ने ऐसा आदेश कुत्तों के काटने और रेबीज के खतरे के बढ़ने के मद्देनजर स्वतः संज्ञान लेते हुए उक्त आदेश दिया है। इसलिए वह आलोचना नहीं बल्कि बधाई का पात्र हैं। इससे मीडिया रिपोर्ट्स की गंभीरता और प्रासंगिकता भी परिपुष्ट हुई है। मेरी व्यक्तिगत राय है कि इसका दायरा बढ़ाकर इसमें बंदरों और उन जानलेवा आवारा जानवरों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। सच कहूं तो सभ्य समाज के लिए खतरा बनते जा रहे स्ट्रीट क्रिमिनल्स और स्ट्रीट बायस्ड पॉलिटिकल एक्टिविस्ट, जिनकी लोकल थानों व पुलिस चौकियों से सांठगांठ होती है, यदि इन जैसों के खिलाफ भी ऐसा ही सुप्रीम आदेश निर्गत हो जाए तो सभ्य समाज का भला हो जाएगा क्योंकि कोई भी लोकतंत्र उन असभ्य लोगों को आजादी का अधिकार नहीं दे सकता जो कि समाज के अन्य वर्गों के लिए खतरा बनते जा रहे हों। संभव है कि भविष्य में न्यायालय इन विडंबना भरे सामाजिक स्थितियों पर भी गौर करेगा और बेलगाम राजनीतिक व प्रशासनिक हुक्मरानों को समाज के प्रति उसी तरह से संवेदनशील बनाएगा, जैसा कि उसके ताजा निर्णयों से महसूस किया जाता है। बताते चलें कि अपने आदेश में कोर्ट ने साफ कहा है कि सरकार, एमसीडी और एनडीएमसी को अगले 6-8 हफ्तों में शेल्टर रूम की शुरूआत करनी होगी क्योंकि यहां स्थिति बेहद गंभीर है। लिहाजा, कुत्तों के काटने की समस्या से निपटने के लिए प्रशासन को तुरंत एहतियाती कदम उठाने की जरूरत है। लगे हाथ कोर्ट ने पशु प्रेमियों को यह दो टूक चेतावनी भी दे दी है कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन इन आवारा कुत्तों को पकड़ने में बाधा डालेगा तो उसके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वाकई, कोर्ट ने साफ-साफ कहा है कि किसी भी कीमत पर शिशु और छोटे बच्चे रेबीज के शिकार नहीं होने चाहिए। उल्लेखनीय है कि जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने स्पष्ट कहा है कि इस कार्रवाई से लोगों में यह भरोसा पैदा होना चाहिए कि वे बिना डर के स्वतंत्र रूप से घूम सकें, बिना इस भय के कि कोई सड़क का कुत्ता उन्हें काट लेगा। इस प्रकार देखा जाए तो कोर्ट के फैसले की कुछ अन्य अहम बातें इस प्रकार हैं- पहला, कोर्ट ने सड़क के कुत्तों को गोद लेने की दलील खारिज करते हुए स्पष्ट कहा है कि सड़क के कुत्ते अचानक पालतू नहीं बन सकते। इसलिए इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती है। दूसरा, मानव जीवन और सुरक्षा सबसे पहले है। इसलिए तुरंत कदम उठाए जाने चाहिए। तीसरा, रोजाना पकड़े गए और शेल्टर में रखे गए कुत्तों का रेकॉर्ड बनाएं। चतुर्थ, एक सप्ताह के भीतर हेल्पलाइन बनाई जाए ताकि कुत्ता-काटने के मामलों की रिपोर्ट हो सके। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट रूप से पूछा है कि, क्या एनिमल एक्टिविस्ट और 'कथित पशु प्रेमी' उन बच्चों को वापस ला पाएंगे जो रेबीज का शिकार हो गए। बता दें कि कोर्ट ने गत 28 जुलाई को स्वतः संज्ञान लेते हुए यह मामला उठाया था, जब एक रिपोर्ट में दिल्ली-एनसीआर में रेबीज के बढ़ते मामलों, बच्चों और बुजुर्गों की मौत पर चिंता जताई गई थी। वहीं, दिल्ली-एनसीआर में सड़क के कुत्तों को शेल्टर होम में भेजने के आदेश के एक दिन बाद, सुप्रीम कोर्ट ने एक और नया सर्कुलर जारी किया। कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट परिसर में बचे खाने को खुले में न फेंकें। उसे सिर्फ ढक्कन लगे कूड़ेदान में डालें जिससे कि जानवरों के काटने की घटनाओं से बचा जा सके। सर्कुलर में इस मामले में नोटिस लिया गया कि सुप्रीम कोर्ट परिसर में गलियारों और लिफ्ट के अंदर कुत्तों के घूमने की घटनाओं में 'काफी' बढ़त देखी गई है। वहीं, यह सबकुछ करते हुए भी कोर्ट की भाषा विनम्र है और उसने विजिटर्स से भी निर्देश लागू करने में सहयोग मांगा है। जारी सर्कुलर में आगे कहा गया कि बचा हुआ सारा खाना सिर्फ कूड़ेदान में डाला जाए। किसी भी परिस्थिति में खुली जगह या बिना ढक्कन वाले बर्तनों में खाना नहीं फेंका जाना चाहिए। यह कदम जरूरी है जिससे कि जानवरों (सड़क के कुत्तों) को खाने की गंध से आकर्षित होकर इधर-उधर घूमने से रोका जा सके। कोर्ट ने माना कि इससे काटने की घटनाओं का खतरा कम होगा और परिसर में साफ-सफाई भी बनी रहेगी। सभी आगंतुकों से इस निर्देश को लागू करने में सहयोग को कहा गया है। बता दें कि यह सब एक स्वस्थ सामाजिक आचरण है, लेकिन जब शिक्षक व प्रशासकों ने अपनी जिम्मेदारी स्वतः न समझी और सामाजिक स्थिति बद से बदतर होती गई तो कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा। उधर, कोर्ट के आदेश पर नेताओं का अलग-अलग नजरिया सामने आया है। सड़क के कुत्तों को शेल्टर होम भेजने के सुप्रीम आदेश के खिलाफ कई नेताओं, संगठनों और बॉलिवुड सितारों ने आवाज बुलंद की है। एक ओर जहां दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस फैसले पर साफ कहा है कि सरकार जल्द ही एक स्ट्रीट डॉग नीति लेकर आएगी और योजनाबद्ध तरीके से कोर्ट के आदेश को लागू करेगी क्योंकि दिल्ली के लोग इससे तंग आ चुके हैं। इसलिए हम इस मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं क्योंकि हम लोगों को राहत देना चाहते हैं। चूंकि सड़क के कुत्तों की समस्या विकराल रूप ले चुकी है, इसलिए हम एक नीति बनाएंगे और लोगों को राहत देंगे। वहीं, दूसरी ओर पशु अधिकार कार्यकर्ता मेनका गांधी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसला की आलोचना करते हुए कहा कि, 'हमें तो पहले से ही ऐसी ही उम्मीद थी। अब, अगर इस आदेश का पालन किया जाता है तो दिल्ली में तीन लाख कुत्तों को पकड़कर केंद्रों में रखना होगा। दिल्ली सरकार को 1,000-2,000 शेल्टर रूम बनाने होंगे क्योंकि बहुत सारे कुत्ते आपस में लड़ेंगे। उन्हें रोकने के माकूल प्रबंध करने होंगे।' उन्होंने यह भी कहा कि इस फैसले में तार्किक सोच का अभाव है। बीजेपी सांसद गांधी ने इस मामले में पीएम से हस्तक्षेप की अपील की। जबकि कांग्रेस के नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल और प्रियंका गांधी ने कहा कि इन्हें हटाना क्रूरता है। तृणमूल कांग्रेस ने चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर इस आदेश पर फिर से विचार की मांग की।

## ग्रामीण विकास को गति देती पंचायतें

विजय गर्ग

भारत में पंचायत को सुशासन की दृष्टि से देखें, तो लोक सशक्तीकरण इसकी पूर्णता है और लोक विकेंद्रीकरण की नजर से देखें, तो यह एक ग्रामीण स्वशासन की परिपाटी की पूर्ति है जो ग्रामीण विकास के लिए कहीं अधिक जरूरी है। इतना ही नहीं यह गांधी के ग्राम- स्वराज के सपने को भी बल देता है। सुशासन शांति और खुशहाली का परिचायक है। जबकि पंचायत एक ऐसी संस्था है जो ग्रामीण स्वराज को आगे बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत में 6.65 लाख गांव हैं, जिनमें 2.68 लाख ग्राम पंचायतें और ग्रामीण स्थानीय निकाय हैं, जो देश के ग्रामीण परिदृश्य का आधार हैं। पंचायतें ग्रामीण विकास को गति दे ही रही हैं, आम आदमी की भी ताकत बन रही हैं।

केंद्रीय बजट 2025-26 में ग्रामीण विकास को रफ्तार देने और केंद्रित कार्यक्रमों तथा निवेशों के जरिए समृद्धि बढ़ाने के उद्देश्य से कई प्रमुख पहल की गई। मसलन वर्ष 2028 तक के लिए जीवन मिशन, ब्राडबैंड सुविधा, जिसका लक्ष्य यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में सभी सरकारी माध्यमिक विद्यालयों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक इंटरनेट पहुंच उपलब्ध हो तथा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाया जाए। इसके अतिरिक्त भारतीय डाक उद्यमियों, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम यानी एमएसएमई और स्वयं सहायता समूहों का समर्थन करने वाले एक प्रमुख सार्वजनिक 'लाजिस्टिक्स' संगठन के रूप में विकसित करना भी लक्ष्य है। ग्रामीण समृद्धि एवं अनुकूलन कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं, युवा किसानों, हाशिए पर पड़े समुदायों और भूमिहीन परिवारों को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करना है।

पंचायत लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का परिचायक है और सामुदायिक विकास कार्यक्रम इसकी नींव है। पंचायत जैसी संस्था की बनावट कई प्रयोगों और अनुप्रयोगों का भी नतीजा है। सामुदायिक विकास कार्यक्रम का विफल होना और इसके बाद बलवंत राय मेहता समिति का गठन फिर वर्ष 1957 में उसी की रपट पर इसका मूर्त रूप लेना देखा जा सकता है। गौरतलब है कि जिस पंचायत को राजनीति से परे और नीति उन्मुख सजग प्रहरी की भूमिका में समस्या दूर करने का एक माध्यम माना जाता है, आज वही कई समस्याओं से जकड़ी हुई है। जिस पंचायत ने सबसे नीचे के लोकतंत्र को कंधा दिया हुआ है, वही कई जंजालों से मुक्त नहीं है, चाहे वित्तीय संकट हो या उचित नियोजन की कमी या फिर अशिक्षा, रूढ़िवादिता तथा पुरुष वर्चस्व के के साथ जाति और ऊंच-नीच के पूर्वाग्रह ही क्यों न हों। यह समस्या पिछले तीन दशकों में घटी तो है और इसी पंचायत यह सिद्ध भी किया है कि उसका कोई विकल्प नहीं है।

पंचायत की। व्याख्या में क्षेत्र विशेष में शासन करने का विशिष्ट अधिकार निहित है। इसी अधिकार से उन दायित्वों की पूर्ति होती है जो ग्रामीण प्रशासन के अंतर्गत स्वशासन का बहाव भरता है और ग्रामीण बदलाव की गाढ़ी रेखा खींचता है। वर्ष 1997 का नागरिक घोषणापत्र सुशासन का ही शिखर था और 2005 में सूचना का अधिकार इसी का अगला अध्याय इतना ही नहीं वर्ष 2006 की ई-गवर्नेंस योजना भी सुशासन की रूपरेखा को ही विस्तृत नहीं करती, बल्कि इनसे पंचायत को भी ताकत मिलती है। वर्ष 1992 में सुशासन की अवधारणा सबसे पहले ब्रिटेन में सामने आई थी। वर्ष 1991 में उदारीकरण के बाद इसकी पहल भारत में भी देखी गई। सुशासन के इसी वर्ष में पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक स्वरूप दिया जा रहा था। संविधान के 73वें संशोधन में जब इसे संवैधानिक स्वरूप दिया गया, तब वर्ष 1959 से राजस्थान के नागौर से यात्रा कर रही यह पंचायत रूपी संस्था नए आभामंडल से युक्त हो गई। वर्ष 1992 में हुए इस संशोधन को 24 अप्रैल 1993 को लागू किया गया।

स्वशासन के संस्थान के रूप में इसकी व्याख्या दो तरीके से की जा सकती है।

# फोटोग्राफी केवल तस्वीर खींचने की कला नहीं है, बल्कि यह समाज का आईना है

**एक तस्वीर हजार शब्दों से ज्यादा गहरी बात कह जाती है।**

**फोटो पत्रकारिता लोकतंत्र की आत्मा है, जो सच्चाई को जन-जन तक पहुँचाती है : केशव प्रसाद मौर्य**

भारत संवाद

लखनऊः उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि फोटोग्राफी केवल तस्वीर खींचने की कला नहीं है, बल्कि यह समाज का आईना है। एक तस्वीर हजार शब्दों से ज्यादा गहरी बात कह जाती है। फोटो पत्रकारिता लोकतंत्र की आत्मा है, जो सच्चाई को जन-जन तक पहुँचाती है।श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को द यूथ फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा कलास्रोत, अलीगंज लखनऊ में आयोजित चार दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का शुभारंभ करने के उपरान्त अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। प्रेरणादायी प्रदर्शनी के आयोजन के लिए उन्होनेद यूथ फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन को बधाई दी।कहा कि पत्रकार केवल कैमरे से तस्वीर नहीं उतारते, बल्कि समय की नब्ज को पकड़ते हैं, समाज की कहानियाँ बयान करते हैं और इतिहास को जीवंत कर देते हैं। कहा कि यह प्रदर्शनी न केवल कला का उत्सव है, बल्कि यह हमारी जिम्मेदारी का भी स्मरण कराती है।फोटोग्राफर और पत्रकार समाज की आँखें और कान होते हैं। वे जो देखते हैं, वही आने वाली पीढ़ियों को सत्य और प्रेरणा का संदेश देता है। कहा कि इस चार दिवसीय प्रदर्शनी के माध्यम से समाज को सकारात्मक दिशा देने वाले संदेश निकलकर आएंगे।

# कैंसर मरीज की मौत पर परिजन का हंगामा

**एसआरएन के डॉक्टर ने प्राइवेट अस्पताल में किया था आपरेशन**

भारत संवाद

प्रयागराज, स्टैनली रोड स्थित मोहक हास्पिटल में आज सोमवार को एक कैंसर प्राइमरी स्टेज के मरीज की मौत हो गई।इसके बाद परिवार के लोगों ने हंगामा किया।करीब 4 घंटे तक शव को अस्पताल परिसर में रखकर परिजन डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते रहे। सूचना पर कई थानों की पुलिस फोर्स भी मौके पर पहुंच गई।पुलिस के अधिकारियों के आश्वासन के बाद शव को अस्पताल से ले जाया गया। कल शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा। पत्नी ने कहा, ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की जानी जाहिए। परिजनों का कहना है कि ऑपरेशन एसआरएन अस्पताल के डॉ. राजुल अभिषेक ने किया था। गलत ऑपरेशन कर दिया गया और

ऑपरेशन के बाद मरीज की हालत बिगड़ती गई और मौत हो गई। डॉ. मुकेश कुमार यादव (35 वर्ष) सोरांव तहसील के लालगोपालगंज, कासिमपुर गांव के रहने वाले थे।वह पशु चिकित्सक थे। माउथ कैंसर के प्राइमरी स्टेज के मरीज से पीड़ित थे। टाटा हास्पिटल में चेकअप कराके आए थे। पत्नी किरन यादव ने कहा, एसआरएन अस्पताल में राजुल अभिषेक को दिखाया था। उन्होंने कहा, तीन लाख रुपये लगेगा, मरीज ठीक हो जाएगा। डॉक्टर ने कहा, एसआरएन अस्पताल में ऑपरेशन कराने के लिए एक महीने का इंतजार करना होगा। इसलिए प्राइवेट अस्पताल में ऑपरेशन करना होगा। इसके बाद वह मोहक हास्पिटल में शुक्रवार को 3.40 बजे ऑपरेशन शुरू किए। आपरेशन के 12 घंटे तक वह होश में रहे। हाथ से इशारा भी किए।इसके बाद बेहोशी की हालत में हो गए। वेंटीलेटर पर ले गए। लेकिन पति की मौत हो गई। परिजनों के आक्रोश को देखते हुए अस्पताल का पूरा स्टाफ वहां से भाग निकला। पूरा अस्पताल पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। जो नए मरीज आ रहे थे घंटों तक वेटिंग एरिया में इंतजार करते रहे। पत्नी किरन और पिता का रो-रोकर बुरा हाल था। पिता ने कहा, डॉक्टर ने 6 यूनिट ब्लड मांगा था हम तत्काल ब्लड की व्यवस्था करके लाए भी।

फास्ट ट्रैक

## विनोबा नगर में उमड़ा जनसैलाब, बड़े धूमधाम से सम्पन्न हुआ श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

**भक्तों के जयघोष से गूंजा पूरा मंदिर परिसर संकल्प संदेश**

भारत संवाद

प्रयागराज। नैनी स्थित विनोबा नगर शिव मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास एवं भक्तिमय माहौल में सम्पन्न हुआ। जन्माष्टमी की रात जैसे ही घड़ी ने बारह बजाए, पूरा मंदिर परिसर जय कन्हैया लाल की के जयघोष से गूंज उठा और वातावरण में भक्ति रस की धारा बह निकली। मंदिर को रंग-बिरंगी झालरों, रोशनी और फूलों से सजाया गया था। भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को झूले में विराजमान कर भक्तों ने झूला झुलाया और भजनों पर झूमते हुए जन्मोत्सव का आनंद लिया।दिव्य जन्मोत्सव कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और देर रात तक भजन-कीर्तन का आयोजन चलता रहा।इस अवसर पर प्रमुख रूप से शिवपूजन केसरवानी( गब्बर भाई), गुड्डू केसरवानी, सुभाष केसरवानी, पप्पू केसवानी, छोटू केसरवानी, राष्ट्रीय हिंदी दैनिक संकल्प संदेश समाचार पत्र के संपादक दिनेश कुमार मिश्रा जी ,वरिष्ठ पत्रकार दिलीप चंद पाण्डेय, शिव शंकर दीक्षित, अमित पांडे, सर्वेश पांडे, अप्पू पांडे, राकेश केसरवानी, पंकज द्विवेदी, सीताराम केसरवानी, राजेश मिश्रा, नरेंद्र पांडे, सुशील पांडे राजेंद्र पांडे राम पांडे संजय सिंह ,संतोष सिंह सहित अनेक भक्तगण उपस्थित रहे। भक्तों का कहना था कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव प्रेम, करुणा और धर्म की विजय का प्रतीक है, जो हमें जीवन में सदैव सत्य और भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

### थाना को0 देहात पुलिस द्वारा जिला बदर अपराधी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान, इनामियां, जिला बदर, वारण्टी व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिया गया है । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः18.08.2025 को उप-निरीक्षक राकेश कुमार राय मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना को0 देहात क्षेत्रान्तर्गत गोपालपुर प्राथमिक विद्यालय के पास से जिला बदर अभियुक्त सोनू पुत्र तोलन उर्फ राजकुमार निवासी राजापुर थाना को0 देहात जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया ।

### थाना लालगंज पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना लालगंज पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांकः18.08.2025 को उप-निरीक्षक चन्द्रधर द्विवेदी मय पुलिस टीम द्वारा 01 नफर वारण्टी धीरज सिंह पुत्र देवनाथ सिंह निवासी ग्राम सेमरी मगरधा थाना लालगंज जनपद मीरजापुर को उसके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

### थाना अहरौरा पुलिस द्वारा 02 नफर वारण्टी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना अहरौरा पुलिस द्वारा 02 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांकः18.08.2025 को उप-निरीक्षक अभिषेक सिंह व उप निरीक्षक राजकुमार सिंह मय पुलिस टीम द्वारा 02 नफर वारण्टी 1.मो0 मुमताज पुत्र अब्दुल सतार निवासी इमिलिया कलां थाना अहरौरा जनपद मीरजापुर 2.संजय पुत्र रामआसरे निवासी बेलखरा थाना अहरौरा जनपद मीरजापुर को उसके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

# तहसील समाधान दिवस-हण्डिया

**जन समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं**

- **समाधान दिवस में अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों एवं लेखपालो का एक दिन का वेतन रोके जाने एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के जिलाधिकारी ने दिए निर्देश**
- **जिलाधिकारी ने समाधान दिवस में आयी शिकायतों को गुणवत्तापूर्वक एवं समयबद्धता के साथ निस्तारित करने के दिए निर्देश**

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को तहसील हण्डिया में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने समाधान दिवस से अनुपस्थित रहने पर जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक-जिला ग्राम विकास अभिकरण, उप कृषि निदेशक, सहायक निबंधक-सहकारी समिति, जिला कृषि अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, परियोजना अधिकारी-डूडा, सहायक निदेशक मत्स्य, जिला विद्यालय निरीक्षक, महाप्रबंधक-जिला उद्योग केन्द्र, बाल विकास अधिकारी-प्रतापपुर, क्षेत्रीय वन अधिकारी-हण्डिया, क्षेत्रीय खाद्य अधिकरी-हण्डिया, अधिशाषी अभियंता सिंचाई (नोडल), का एक दिन का वेतन रोके जाने एवं उनके द्वारा स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। सम्पूर्ण समाधान दिवस से अनुपस्थित रहने पर 06 लेखपालों का एक दिन का वेतन रोकने एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है।स्पष्टीकरण संतोषजनक न पाये जाने पर सम्बंधित के विरूद्ध अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए निर्देशित किया है कि जनशिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं होगी।उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि शिकायतों का निस्तारण समयबद्धता के साथ गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाये। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जनसमस्याओं को सुनते हुए राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य एवं अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को प्रकरण की जमीनी स्तर पर जांच कर शिकायतों को गुणवत्तापूर्वक एवं समयबद्धता के साथ निस्तारित करने एवं प्रार्थनापत्रों की समयबद्ध जांच, कार्रवाई एवं समस्याओं के निस्तारण में विलम्ब होने पर सम्बंधित अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि यदि शिकायत सड़क बनाने या अन्य मांग श्रेणी की हो, तो सम्बंधित अधिकारी प्रकरण पर उचित कार्रवाई करते हुए उसे अपनी कार्ययोजना में सम्मिलित करें। साथ ही साथ उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि शिकायतकर्ता का फीडबैक भी लिया जाये

# सरोज विद्या शंकर इंटर कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

भारत संवाद

सरोज विद्या शंकर इंटर कॉलेज में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह की शुरूआत विद्यालय के संस्थापक विद्याशंकर तिवारी एवं संस्थापिका सरोज देवी द्वारा राष्ट्रध्वज तिरंगे को फहरा कर सलामी देने के साथ हुई।इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओत-प्रोत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन कक्षा 11 की छात्राएँ ग्लोरी द्विवेदी और आरजू यादव ने किया। सांस्कृतिक प्रमुख जयद्रथ श्रीमुख ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत करते हुए कहा कि सभी साथ होकर आगे बढ़ें, तो सफलता हमारे कदम चूमेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रबंधक डॉ. दुर्गा प्रसाद मणि त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्र प्रथम की भावना ही राष्ट्र की एकता को समृद्ध करती है। संस्थापक विद्याशंकर तिवारी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि आज देश जिस ऊँचाई पर पहुँचा है, वह हमारे क्रांतिकारियों और बलिदानियों की शौर्यगाथा तथा त्याग का परिणाम है। प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्र की एकता सामाजिक समरसता से ही संभव है। उन्होंने सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीत, नृत्य और नाटिकाओं ने सभी का मन मोह लिया। उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों ने कार्यक्रम पर उत्साहपूर्वक तालियाँ बजाईं। समारोह का समापन राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम्के सामूहिक गान के साथ हुआ।इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य राम सिंह यादव, प्रवीण कुमार मिश्रा, विजय बहादुर विश्वकर्मा, अरविंद त्रिपाठी, राहुल पांडे, राहुल वर्मा, शशांक त्रिपाठी, अमित कुमार जैन, विभव प्रजापति, प्रियराज दुबे, आयुष कुमार श्रीवास्तव, आकाश कुमार गुप्ता, नीतीश कुमार, स्नेह लता दुबे, मीना धुरिया, अनामिका तिवारी, ममता मिश्रा, नीतू द्विवेदी, जागृति सिंह, मानसी जायसवाल, प्रियंका तिवारी, नीलम मिश्रा, काजल पांडे, रंजना दुबे, रीना तिवारी, खुशबू यादव आदि गणमान्य शिक्षकगण एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

# सिहरन से सिहर उठा साहित्यिक वातावरण वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेंद्र की काव्य कृति का हुआ लोकार्पण

भारत संवाद

प्रयागराज। हिंदुस्तानी अकादमी, सिविल लाइन्स, प्रयागराज में रविवार सायं 4 बजे हृदयवंदन कार्यक्रम के अंतर्गत वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेंद्र (इलाहाबाद उच्च न्यायालय) की बहुप्रतीक्षित काव्य कृति सिहरन का भव्य लोकार्पण सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में साहित्य और विधि जगत के गणमान्य लोगों की उपस्थिति ने इसे और भी विशेष बना दिया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रोफेसर विश्वभर नाथ मिश्र, पूर्व विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, आईआईटी (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय) एवं महंत, संकट मोचन मंदिर, वाराणसी ने कहा कि शैलेंद्र की कविताएँ गहन संवेदनाओं और सामाजिक सरोकारों को जोड़ती हैं। उनके अनुसार सिहरन आज की पीढ़ी को साहित्य और आत्मबोध की नई दिशा प्रदान करेगी। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर उपेंद्र कुमार त्रिपाठी, आचार्य, वेद विभाग एवं संस्थापक समन्वयक वैदिक विज्ञान केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय तथा प्रोफेसर मालती तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. मालती तिवारी ने कहा कि शैलेंद्र की काव्य दृष्टि हिन्दी साहित्य को नई ऊर्जा प्रदान करती है।कमलाकर त्रिपाठी, पूर्व उपाध्यक्ष, छात्रसंघ, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने संचालन किया। वहीं, अभिवर्धन, संस्थापक एवं अध्यक्ष, इंडियन सोसाइटी ऑफ आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस एंड लॉ ने साहित्य और तकनीक के बीच सेतु बनाने पर अपने विचार रखे। अपने संबोधन में कवि एवं अधिवक्ता शैलेंद्र ने बताया कि सिहरन जीवन के विविध अनुभवों की काव्यात्मक अभिव्यक्ति है, जिसमें संघर्ष, प्रेम, पीड़ा और आशा के अनेक आयाम समाहित हैं।

## प्रयागराज मंडल के मिर्जापुर रेलवे स्टेशन पर ऑपरेशन सेवा के तहत गर्भवती महिला को मिली समय पर सहायता

भारत संवाद

दिनांक 18.08.2025 को मिजार्पुर रेलवे स्टेशन पर गाड़ी संख्या 15075 से यात्री श्री संतराम अहिरवार अपनी गर्भवती पत्नी श्रीमती सुखवंती के साथ यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान ट्रेन के मिजार्पुर स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 3 पर आगमन के दौरान श्रीमती सुखवंती को अचानक प्रसव पीड़ा होने के कारण श्री संतराम अहिरवार को मिजार्पुर स्टेशन पर उतरना पड़ा। इसकी सूचना मिलते ही मिजार्पुर स्टेशन पर तैनात टिकट निरीक्षक आकृति, हेड कांस्टेबल जे. के. सिंह एवं कांस्टेबल सियाराम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए तत्काल एंबुलेंस की व्यवस्था की। गर्भवती महिला को उनके परिवार के साथ सुरक्षित जिला अस्पताल मिजार्पुर भेजा गया।यह त्वरित कार्रवाई ऑपरेशन सेवा के उद्देश्यों को चरितार्थ करती है, जिसके तहत रेलवे यात्रियों की कठिन परिस्थितियों में तुरंत मदद पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

# यूपीसीडाः अमौसी औद्योगिक क्षेत्र में सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएँ तेजी से प्रगति पर

भारत संवाद

मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) लगातार राज्य की औद्योगिक अवसंरचना को सशक्त और आधुनिक बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है, ताकि उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। इसी विजन के अनुरूप, यूपीसीडा राज्य को एक मजबूत और निवेशक-हितैषी औद्योगिक हब के रूप में विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।इन प्रयासों के हिस्से के रूप में, ज़िला लखनऊ स्थित अमौसी औद्योगिक क्षेत्र को बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन के लिए प्राथमिकता क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है, जहाँ कुल 31 करोड़ का निवेश किया जा रहा है। वर्तमान में अमौसी औद्योगिक क्षेत्र में कई सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर विकास परियोजनाएँ चल रही हैं, जिनमें सड़कों, नालों, कल्वर्टों तथा औद्योगिक प्रवेश द्वारों का निर्माण और उन्नयन शामिल है। इनका उद्देश्य ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ाना और एक विश्वस्तरीय औद्योगिक वातावरण तैयार करना है। सुविधा क्षेत्र में कामगारों और आगंतुकों के लिए आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी, जिनमें श्रमिक सेवा केंद्र , वेंडिंग जोन, ट्रक ले-बाय क्षेत्र, कैफेटेरिया, सार्वजनिक शौचालय, तथा श्रमिकों और परियोजना से जुड़े कर्मचारियों के लिए डॉरमेट्री शामिल हैं।

### प्रमुख चल रहे सिविल कार्यः

सड़कों, फुटपाथ, मीडियन, ट्रक ले-बाय, कल्वर्ट, आंतरिक/बाहरी जल निकासी का रखरखाव/उन्नयन झ 12 करोड़

एफडीआर तकनीक से सड़क निर्माण ?6 करोड़

इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर, पुलिस चौकी, ईवी चार्जिंग स्टेशन का निर्माण 3.4 करोड़

**सनवर अली** — **अजादारी जूलूस असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है**

# लोटाढ़ मे चेहल्लुम पर बड़े हर्षोल्लास के साथ निकाला गया ताजिया जुलूस

**मोहर्रम मुसलमानो का ऐसा पर्व है जिसमें त्याग और बलिदान का समंदर दिखाई देता हैः मोहम्मद उस्ताद**

भारत संवाद

मेजा,प्रयागराज। शुक्रवार को अकीदतमंदों ने चेहल्लुम के मौके पर ताजिया जुलूस निकाला। ताजिया जुलूस लोटाढ़ गांव के इमाम हुसैन की चौक से निकल कर लोटाढ़ बाजार रोड होते हुए जरार के पुरवा गांव के मैदान पहुंचकर समाप्त हुआ। जुलूस में लोटाढ़, जरार, उसकी, चमनगंज एवं पुरवा गांव के ताजिया एक दूसरे में शामिल होते हुए,बड़े जुलूस में तब्दील हो गया। ताजिया जुलूस में मोहर्रम कमेटी के नवयुवक व दूर दराज ग्रामीण क्षेत्र से आए युवाओं ने विभिन्न प्रकार के नए-नए अंदाज में कई कर्तब दिखाएं। खूब जमकर लाठियां भांजी, ढोल नगाड़े बजाते हुए या हुसैन या हुसैन के नारे लगाए। हाथों में देश की आन बान शान तिरंगा लिए मुस्लिम समुदाय के लोग ताजिया में शिरकत करते रहे और या हुसैन की शहादत को याद करते आगे बढ़ते रहे। वहीं लोटाढ़ गांव के ताजिया के मशहूर कारीगर मोहम्मद उस्ताद व मोहम्मद हुसनैन ने बताया कि मुहर्रम मुसलमानों का ऐसा पर्व है। जिसमें त्याग और बलिदान का बहुत बड़ा समंदर नजर दिखाई देता है। पैगंबर इस्लाम ने जिस पाक और सच्चे धर्म को दुनिया में फैलाया था। उसे ही बचाने के लिए उनके नवासे हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथी शहीदे-ए- कर्बला में शहीद हो गए थे। उनकी ही शहादत के चालीसवें दिन बाद अकीदतमंदों द्वारा चेहल्लुम मनाया गया था। उसी रीति-रिवाज को कायम रखते हुए मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बड़े हर्षोल्लास के साथ चेहल्लुम का पर्व मनाया। वरिष्ठ समाजसेवी सनवर अली (लोटाढ़) ने बताया कि चेहल्लुम का शोक मोहर्रम के ताजिया दफनाए जाने के चालीसवें दिन मनाया जाता है। अजादारी, मजलिस व मातम असत्य पर सत्य जीत का प्रतीक है, चेहल्लुम हजरत इमाम हुसैन की शहादत का चालीसवां होता है। वरिष्ठ समाजसेवी फिरोज अहमद ने बताया कि कत्ल-ए-हुसैन अस्ल में मरग-ए-यजीद है, इस्लाम जिंदा होता है हर कर्बला के बाद। इस्लाम धर्म के लिए हजरत मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन की सेवाओं और उनके बलिदानों को स्वीकार करना है। ताजिया जूलूस के बाद लोगों ने मेले में जमकर खरीदारी करते हुए विभिन्न प्रकार के मिष्ठान्नों का आनंद लिया।ताजिया जुलूस में किसी प्रकार की बांधा न उत्पन्न हो सके इसके लिए शांति सुरक्षा के मद्देनजर देखते हुए थाना प्रभारी मेजा दीनदयाल सिंह व चौकी प्रभारी मेजारोड सुधीर कुमार पांडेय पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे। ताजिया जुलूस में (मुजावर) मैफूज अली व मोहम्मद नूर आलम, सनवर अली, मेराज अली, जब्बार अली,अवधेश सिंह, अच्छन अली,मो० श्यामूलहक,मो० वहीद,मो० जियाउल, माशूक अली,मो० मुकीम,मो० अरशद, मो० शेबू,मो० सैनूर, प्रधान प्रतिनिधि (लोटाढ़) मुलायम यादव, पूर्व प्रधान (लोटाढ़) ज्ञानचंद वर्मा, मो० पप्पू, मो० रुखसाद, फिरोज अहमद (कोटहा),अन्सार अहमद, मो० एकलाख, मो० चांद बाबू, मो० मुस्तफा, मो० अजीम,मो० तोराब, मो० वसीम, मो० साबिर, गोलू, मो० सिराज, मो० आरिफ सहित आदि सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे।

# श्रीकृष्ण अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव, वृंदावन का पंचम भव्य वार्षिक आयोजन 18अगस्त 2025 को दिल्ली में सम्पन्न

भारत संवाद

दिल्लीः श्रीकृष्ण अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव का पंचम वार्षिक संस्करण पार्श्व अंतर्राष्ट्रीय विवि सेवार्थ न्यास, गिरिडीह द्वारा 18 अगस्त 2025 को नई दिल्ली में भव्य रूप से आयोजित किया गया।श्रीकृष्ण अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव अध्यात्म, लोक परम्परा, साहित्य व भारत की स्वर्णिम संस्कृति की स्वर्णिम समर्पित उत्सव है।'भारत सेवा रत्न' से सम्मानित अधिकारी डॉ. सुरेश सिंह शौर्य 'प्रियदर्शी' इसके संस्थापक हैं। ₹श्रीकृष्ण₹ पुस्तक के संपादन व विमोचन हेतु संकल्प लिया गया। जिसके प्रधान संपादक डॉ. सुरेश सिंह शौर्य प्रियदर्शी हैं।यमुना नदी की सुरम्य धाराओं और उस पर स्थित वैदिक संस्कृति की कई महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों, धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों की परंपरा और विरासत को समृद्ध करने के उद्देश्य से इस महोत्सव का आयोजन वर्ष 2020 से लगातार किया जाता है। मुख्य अतिथि के रूप में इसके संस्थापक डॉ. सुरेश सिंह शौर्य 'प्रियदर्शी थे। इसमें अति विशिष्ट अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर उमेश कुमार सिंह मौजूद थे. विशेष अतिथि के रूप में डॉ रविन्द्र कुमार प्रोफेसर आगरा विश्वविद्यालय थे। साथ ही दिल्ली व देश के अन्य प्रांतो के गणमान्य, कलाकार इत्यादि की उपस्थिति के साथ-साथ अन्य प्रतिष्ठित बुद्धिजीवियों की भी उपस्थिति रही। देश के विभिन्न राज्यों के कवि, कलाकार, गणमान्य जैसे डॉ रविन्द्र कुमार , प्रोफेसर आगरा विश्वविद्यालय, डॉ श्वेता शरण, बिहार, सत्यप्रकाश यादव, बिहार, आभा कुमारी, आगरा, रामपाल सिंह, आगरा , राजकुमारी सिंह आगरा, उषा खत्री, दिल्ली, डॉ गुनगुन छत्तीसगढ़, डीसी गुरु, प्रोफेशनल सिंगर ऋषिगृरु, गुलाटी जी दिल्ली, राजेंद्र गुज्जर, राजस्थान, गौरव अग्रवाल , दिल्ली तथा ऑनलाइन में राम रतन श्रीवास, छत्तीसगढ़, रशुभ, जलेश्वरी, सुरेश लाल, डॉ.संतोष शिवाजी कांबले, नीरज, उषा किरण, डॉ. मालवीय, प्रणीत सुशील सिन्हा इत्यादि पुरे भारत से शामिल हुए . ऑनलाइन कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ राम रतन श्रीवास ने की। डॉ. सुरेश, दिनेश्वर वर्मा और ट्रस्ट के 7 सालों के आंदोलन के कारण गिरिडीह में एक विश्वविधालय की स्थापना सम्भव हो पायी। जिसमें जिले के प्रबुद्ध जनों की भी भूमिका रही है। 'प्रियदर्शी' ने बताया की प्रतिभागियों, कृष्णभक्त को श्रीकृष्ण मंदिर दर्शन के साथ-साथ श्रीकृष्ण विशेष स्मृति चिन्ह प्रदान किए गये।

# सरकार ने सराहा मोक्षायतन योगाश्रम का योगदान

भारत संवाद

सहारनपुर। केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने इस वर्ष संपन्न हुए 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को अब तक का सबसे बड़ा कार्यक्रम बताते हुए मोक्षायतन अंतर्राष्ट्रीय योग संस्थान के अप्रतिम योगदान की सराहना की है। भारत सरकार के आयुष मंत्री प्रताप राव जाधव ने पद्मश्री योगगुरु स्वामी भारत भूषण को विशेष रूप से पत्र लिख कर कहा कि उनके सम्मानित संगठन के माध्यम से स्वामी जी द्वारा किए गए निरंतर प्रयासों और सक्रिय पहुंच के बिना ऐसा संभव नहीं था। आयुष मंत्री ने लिखा कि योग गुरु स्वामी भारत भूषण के इन प्रयासों ने योग दिवस 2025 को एक वैश्विक आंदोलन में परिवर्तित करने में बहुत पूर्ण योगदान दिया। उन्होंने इस उपलब्धि में मोक्षायतन योग आश्रम सहारनपुर द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के लिए भी अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया। आयुष मंत्री ने अपेक्षा की कि वह समुदायों एवं व्यक्तियों तक योग को ले जाने में आगे भी स्वामी भारत भूषण के निरंतर समर्थन और नेतृत्व की आशा रखते हैं। आयुष मंत्री ने लिखा कि 21 जून को आयोजित कार्यक्रमों के अलावा योगदिवस तक 60 से अधिक देशों में 1000 से भी अधिक कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर जागरूकता बनाने में उपयोगी रहे, इसीलिए इस वर्ष का अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अब तक का सबसे बड़ा आईडीवाई आयोजन था जिसके अंतर्गत पूरे देश में इस ऐतिहासिक दिवस पर 13 लाख से अधिक पूर्व पंजीकृत और अन्य हजारों अपंजीकृत योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। योग गुरु स्वामी भारत भूषण ने आयुषमंत्री द्वारा व्यक्त भावनाओं के प्रति आभार जताते हुए

# सम्पूर्ण समाधान दिवस पर विभागवार निर्देश, निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

## जनता की समस्याओं का संतोषजनक समाधान ही हमारी प्राथमिकता

प्रवीन कुमार शर्मा संवादाता/भारत संवाद

अलीगढ़। तहसील कोल के सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन कृष्णांजलि में किया गया। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कहा कि शासन की मंशा जनता की समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि समाधान दिवस केवल शिकायत सुनने का मंच नहीं है, बल्कि यह जनता और शासन-प्रशासन के बीच विश्वास की कड़ी है। संपूर्ण समाधान दिवस में छर्रा विधायक ठा. रवेंद्र पाल सिंह द्वारा भी शिकायतों व समस्याओं को सुना गया। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेकर प्राथमिकता पर निस्तारित करें और आवेदक को समाधान की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि निस्तारण केवल कागजों में न होकर व्यवहारिक और संतोषजनक होना चाहिए। उन्होंने राजस्व विभाग को निर्देशित किया कि भूमि विवाद, नामांतरण, खतौनी, बंटवारे जैसी शिकायतों का त्वरित व निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करें। कस्बा, गांव-देहात में साफ-सफाई, नाली, सड़कों की मरम्मत और जलभराव से संबंधित समस्याओं को तत्काल प्रभाव से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि चिकित्सालय आए मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएं, दवाओं की उपलब्धता और अस्पतालों में पारदर्शी व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मिड-डे मील की पारदर्शिता और आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों को गम्भीरता से लेने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जनता से अपील की कि वे अपनी समस्याओं को स्पष्ट तथ्यों और प्रमाणों सहित रखें, जिससे निस्तारण और प्रभावी हो सके। उन्होंने कहा कि समाधान दिवस की सफलता तभी है जब हर आवेदक संतुष्ट भाव से लौटे और शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास और दृढ़ हो। एसएसपी संजीव सुमन ने कहा कि कानून व्यवस्था से जुड़ी हर छोटी छोटी शिकायत एवं समस्या को प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक पीड़ित को न्याय दिलाया जाए। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने अधिकारियों को सम्पूर्ण समाधान दिवस के उपरांत लोधा एवं धनीपुर क्षेत्र की गौशालाओं एवं नगर क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 दिवाकर त्रिपाठी ने अवगत कराया कि लोधा क्षेत्र में 10 एवं धनीपुर क्षेत्र में 7 गौशालाएं संचालित की जा रही हैं। बेसिक शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि नगर क्षेत्र में 105 प्राथमिक विद्यालय संचालित हैं। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी गौशालाओं एवं विद्यालयों की मौजूदा स्थिति का परीक्षण कर विस्तृत आख्या उपलब्ध कराई जाए, जिससे उनकी व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जा सके।

## फास्ट ट्रैक

### एक वारंटी पुलिस के हत्थे चढ़ा

सहारनपुर। थाना देवबंद पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एसएसपी के निर्देशन में अपराध की रोकथाम व वांछित/वारण्टी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी देवबन्द के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक देवबन्द नरेन्द्र कुमार शर्मा के कुशल नेतृत्व में आज मुखबिर की सूचना पर थाना देवबन्द पुलिस टीम द्वारा चैकिंग के दौरान 01 वारण्टी अभियुक्त अमित पुत्र जय सिह निवासी किशोरपुर थाना कैराना जनपद शामली को सम्बन्धित वाद सं0 12/16 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट चालानी थाना देवबन्द (मा. न्यायालय गैगस्टर कोर्ट) द्वारा निर्गत एनबीडब्ल्यू वारण्ट में जनपद लुधियाना के प्रीत विहार काका करयाना स्टोर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम में एसआई सुभाष शर्मा, आरक्षी धर्मेन्द्र कुमार, ऋषभ शामिल रहे।

### एसएसपी ने दिखायी सख्ती नो हेलमेट नो फ्यूल

#### कोर्ट रोड स्थित पेट्रोल पम्प का एसएसपी ने किया निरीक्षण

सहारनपुर। जनपद में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने तथा हेल्मेट न पहनने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के उद्देश्य से एसएसपी निर्देशन में तथा पुलिस अधीक्षक यातायात के निकट पर्यवेक्षण में चलाये जा रहे अभियान नो हेलमेट नो फ्यूल के अन्तर्गत आज जनपद सहारनपुर में स्थित समस्त पेट्रोल पम्प पम्पों पर चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है जिसमें पुलिस द्वारा आमजन को दोपहिया वाहनों पर हमेशा हेलमेट का प्रयोग करने हेतु जागरुक किया जा रहा है। एसएसपी ने हिदायत दी कि दोपहिया वाहन चलाते हमेशा हेलमेट जरुर पहनें, कार चलाते समय सिट बेल्ट अवश्य लगायें, धीमी गति से वाहन चलायें तथा अपनी लेन में ही चलें, किसी भी आपातकाल/दुर्घटना की स्थिति में टोल फ्री नंबर 108 एंव 112 पर संपर्क करें

**नशीले पदार्थ/शराब का सेवन कर वाहन ना चलायें, वाहन चलाते समय मोबाईल फोन का प्रयोग न करें, तेज गति से वाहन ना चलायें।**

#### पोक्सो एक्ट में वांछित धरा

सहारनपुर। थाना सरसावा पुलिस ने पोक्सो एक्ट के वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वादिया की लिखित तहरीर बाबत अभियुक्त आकाश पुत्र चन्द्रपाल निवासी ग्राम कुतुबपुर थाना सरसावा जनपद सहारनपुर द्वारा वादिया की नाबालिग पुत्री का यौन शोषण करने तथा वादिया की पुत्री की अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने के सम्बन्ध मे थाना सरसावा पर मुअसं 326/25 धारा 64(1),352,333 बीएनएस व 67 आईटी एक्ट व पोक्सो अधिनियम के पंजीकृत कराया गया था। एसएसपी द्वारा तत्काल घटना का संज्ञान लेकर अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु आदेश-निर्देश दिये गये थे। आदेश के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन में अपराध नियन्त्रण व वांछित/वारण्टी अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में एवं क्षेत्राधिकारी नकुड के निकट पर्यवेक्षण में तथा थानाध्यक्ष सरसावा विनोद कुमार के नेतृत्व में 17 अगस्त को मुखबिर की सूचना पर थाना सरसावा पुलिस टीम द्वारा मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्त आकाश पुत्र चन्द्रपाल निवासी ग्राम कुतुबपुर थाना सरसावा जिला सहारनपुर को ग्राम कुतुबपुर के बाहर स्कूल के पास सड़क से गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम में वरिष्ठ एसआई बिजेन्द्र सिंह, मुख्य आरक्षी अजय राठी, सम्राट सिंह शामिल रहे।

### डीआईजी ने सुनी जनता की समस्याएं

सहारनपुर। पुलिस उपमहानिरीक्षक, सहारनपुर परिक्षेत्र अभिषेक सिंह ने आज परिक्षेत्र कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना सिंह ने उपस्थित शिकायतकताओं को भरोसा दिलाते हुए कहा कि सभी मामलों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान कर शिकायतकताओं को समय पर अवगत कराया जाए। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में लोग पहुँचे और अपनी समस्याएँ रखीं। पुलिस उपमहानिरीक्षक ने पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ हर शिकायत पर संज्ञान लेते हुए

# आसफपुर खरखड़ी की कुसुम चौहान हुई नीरा अमृत सम्मान से सम्मानित

## कुसुम चौहान को धार्मिक, सामाजिक व राष्ट्रहित में उनके द्वारा किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यो के लिए किया गया नीरा अमृत सम्मान से सम्मानित

**कुसुम चौहान महिला सशक्तिकरण का अनुपम उदाहरण है और आदर्श भारतीय नारी की जीती-जागती मिसाल है - डाक्टर हिमांशु शर्मा**

भारत संवाद

बागपत, उत्तर प्रदेश। विवेक जैन। इंसानियत को गौरवान्वित करने वाली शख्सियतों में शुमार भूदृष्टि फाउंडेशन की संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष कुसुम चौहान को उत्तर भारत के प्रतिष्ठित नीरा अमृत सम्मान से सम्मानित किया गया। आसफपुर खरखड़ी निवासी सुप्रसिद्ध समाज सेविका कुसुम चौहान को यह सम्मान धार्मिक, सामाजिक व राष्ट्रहित में उनके द्वारा किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यो के लिए प्रदान किया गया। नीरा अमृत सम्मान समिति की ओर से प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता, इंटरनेशनल अवार्डी, महामहिम राष्ट्रपति महोदय व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार विपुल जैन द्वारा कुसुम चौहान को पगड़ी पहनाकर, पटका व चादर ओढ़ाकर, प्रतीक चिन्ह व उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। विपुल जैन ने बताया कि नीरा अमृत सम्मान धार्मिक, शैक्षिक, सामाजिक आदि विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली शख्सियतों को प्रमुख समाजसेवी रामसेवक शर्मा जी व डाक्टर हिमांशु शर्मा टटीरी वालों के माध्यम से प्रदान किया जाता है। डाक्टर हिमांशु शर्मा ने बताया कि कुसुम चौहान महिला सशक्तिकरण का अनुपम उदाहरण है। कहा कि कुसुम चौहान समाज सेविका होने के साथ-साथ पशुप्रेमी और पर्यावरण प्रेमी भी है। वह एक आदर्श भारतीय नारी की जीती-जागती मिसाल है। उनके पति अजीत कुमार चौहान पेशे से एक किसान है। कुसुम चौहान के दो बच्चे है। बेटी प्राची चौहान ने एमकॉम फाइनल किया है और टीचर है। प्राची चौहान बच्चों को फ्री में टयूशन देती है। बेटे वंश चौहान ने आईटीआई किया है। इस अवसर पर कुसुम चौहान ने कहा कि वे अपनी उपलब्धियों का श्रेय अपने माता-पिता, सास-ससुर, अपने पति, बच्चों, सहयोगियों व शुभचिंतकों को देती है।

# बिना सहमति के मत दाताओं की तस्वीरें साझा करने पर चुनाव आयोग ने राहुल गांधी की आलोचना की

भारत संवाद

नई दिल्ली ,चुनाव आयोग (EC) ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिहार एसआईआर (State Information Repository) से संबंधित विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया। केंद्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए भारत के मतदाताओं को निशाना बनाने के लिए एक लॉन्चपैड के रूप में किया जा रहा है। उन्होंने साफ कहा कि चुनाव आयोग के लिए न कोई पक्ष है और न ही कोई विपक्ष, सभी बराबर हैं।

### 'वोट चोरी' के आरोपों पर चुनाव आयोग का जवाब:

ज्ञानेश कुमार ने कांग्रेस के 'वोट चोरी' के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह लोगों को गुमराह करने और संविधान का उल्लंघन करने का प्रयास है। उन्होंने कहा, ₹जब बिहार के साढ़े सात करोड़ से ज्यादा मतदाता चुनाव आयोग के साथ खड़े हैं, तो न तो चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर और न ही मतदाताओं की विश्वसनीयता पर कोई प्रश्नचिह्न लगाया जा सकता है।₹ उन्होंने यह भी कहा कि हर राजनीतिक दल का जन्म चुनाव आयोग में पंजीकरण के माध्यम से होता है, ऐसे में आयोग राजनीतिक दलों के बीच भेदभाव नहीं कर सकता।

### राहुल गांधी पर निशाना और कांग्रेस की प्रतिक्रिया:

प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयोग ने मतदाताओं की तस्वीरों को बिना सहमति के साझा करने को लेकर राहुल गांधी की आलोचना की। आयोग ने कहा कि यह गोपनीयता का उल्लंघन है और यह मतदाताओं को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित करने का प्रयास है।

इसके बाद, कांग्रेस ने अपने आधिकारिक अकाउंट पर एक वीडियो कोलाज पोस्ट किया, जिसमें चुनाव आयोग पर 'झूठ' बोलने का आरोप लगाया गया। वीडियो में पहले मुख्य चुनाव आयुक्त को यह कहते हुए दिखाया गया है कि उनके लिए कोई पक्ष या विपक्ष नहीं है, और फिर राहुल गांधी का वीडियो आता है, जिसमें वह कहते हैं कि बीजेपी से कोई एफिडेविट नहीं मांगा गया, जबकि उनसे मांगा जा रहा है।

### पवन खेड़ा का पलटवार:-

'वोट चोरी' शब्द को संविधान का अपमान बताने वाले मुख्य चुनाव आयुक्त के बयान पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ₹आप कौन होते हैं बोलने वाले। चोरी करना बंद कर दीजिए हम वोट चोरी जैसे शब्दों का उपयोग बंद कर देंगे।

# केन्द्रीय वित्तमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा

## आटा चक्की, पत्थर व साइकिल पर जीएसटी की दर पांच प्रतिशत करने की मांग

भारत संवाद

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल जनपद सहारनपुर की इकाई से जुडे व्यापारियों ने आज जिलाधिकारी के माध्यम से केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मल सीतारमण को ज्ञापन भेजकर आटा चक्की व इसके पत्थर व साइकिल पर जीएसटी की दर पांच प्रतिशत किये जाने की मांग की है। जिलाध्यक्ष शीतल टण्डन ने अवगत कराया कि गत 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से अपने सम्बोधन में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दीपावली से पहले जीएसटी के सरलीकरण व दरों को कम किए जाने का संकेत दिया गया है, जिसका हम सब स्वागत करते हैं। आटा चक्की, इसके पत्थर व पुर्जो पर जीएसटी की दर वर्तमान में 18 प्रतिशत है। जीएसटी लागू होने के समय इस पर पांच प्रतिशत की दर थी। परन्तु व्यापार मण्डल के विरोध के बावजूद तीन वर्ष पूर्व दर बढाकर 18 प्रतिशत कर दी गयी थी। यह बिल्कुल भी उचित नहीं है। जीएसटी की दर पांच प्रतिशत होनी चाहिए। ज्ञापन में यह भी अवगत कराया कि भारत एक विकासशील देश है और वर्तमान में बड़ी व महंगी कारें, स्कूटर, मोटर साइकिले व अन्य वाहन नई तकनीक के साथ आ चुके हैं। लेकिन 140 करोड लोगों की गांव की पगडंडी से लेकर महानगर तक आज भी साइकिल आम जन की सवारी है। साइकिल का प्रयोग खिलाडी, किसान, मजदूर, विद्यार्थी, बच्चे, समाज के सभी वर्ग करते हैं और साइकिल सबसे लोकप्रिय वाहन है। वर्तमान में इस पर जीएसटी की दर 12 प्रतिशत है, यह भी बिल्कुल अनुचित है।

# छड़ी पूजन का आयोजन किया

भारत संवाद

सहारनपुर। श्री जाहरवीर गोगा जी महाराज की स्मृति में आज छड़ी पूजन का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने माथा टेक गोगा जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया और प्रसाद भी ग्रहण किया। आज फूल खुमरान स्थित भगत सिंह चैक पर आज सागर गुप्ता के नेतृत्व में छड़ी पूजन का आयोजन किया गया आज दोपहर के समय ढोल नगाड़ों के साथ छड़ी भगत सिंह चैक पर पहुंची जहां पहले से मौजूद श्रद्धालुओं ने छड़ी और छड़ी भक्तों का स्वागत किया इस दौरान छड़ी पुजारी के सारे अध्याय में छड़ी पूजन किया गया इस अवसर पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने माथा टेक गोगा जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया इस अवसर पर सागर गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से यह छाता छड़ी पूजन का आयोजन किया जा रहा है ताकि सभी पर श्री जाहरवीर गोगा जी महाराज का आशीर्वाद लेने वालों में मुख्य रूप से शिवम शर्मा,शक्ति गर्ग, सौरव गर्ग,संचित गुप्ता, विनय जिंदल,अनुराग सिंघल,हर्षित गुप्ता,दीपक जैन, अर्जुन गुप्ता बना रहे।

# राज्य कुराश प्रतियोगिता में गाजियाबाद ने मारी बाजी

## सहारनपुर उपविजेता, वाराणसी तृतीय स्थान पर

भारत संवाद

सहारनपुर। डॉ. भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में राज्य स्तरीय सब-जूनियर कुराश प्रतियोगिता का भव्य आयोजन हुआ। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने अपने दमदार खेल का शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का दिल जीत लिया।समापन समारोह में अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश कुराश एसोसिएशन के उपाध्यक्ष प्रवीण चैधरी, समाजसेवी आर. के. शर्मा एवं अमित चैधरी ने उपस्थित होकर विजेता खिलाड़ियों को पदक एवं पुरस्कार भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।इस अवसर पर द इंडियन कुराश एसोसिएशन के महासचिव विक्रांत कुमार ने जानकारी दी कि प्रतियोगिता में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जिसमें गाजियाबाद की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान हासिल किया। सहारनपुर की टीम ने दमदार खेल के साथ दूसरा स्थान, जबकि वाराणसी की टीम ने शानदार जुझारूपन दिखाकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। महासचिव विक्रांत कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में विजयी खिलाड़ियों के चयन पर विशेष ध्यान दिया गया। प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर आने वाले खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय कुराश प्रतियोगिता के लिए किया गया है, जो आगामी 10 से 12 सितम्बर को रायपुर (छत्तीसगढ़) में आयोजित होगी। यह खिलाड़ी अब उत्तर प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे और राज्य का मान बढ़ाने का अवसर प्राप्त करेंगे। आयोजन सचिव मोहित शर्मा ने प्रतियोगिता की सफलता पर सभी खिलाड़ियों एवं निर्णायक मंडल का आभार व्यक्त किया। निर्णायक मंडल में किरण, मंजू, अंतरिक्ष, निकिता जैन, शगुन, अक्षत, पर्व ने अपनी सेवाएँ दीं।

स्वामी विद्यानन्द सरस्वती

## नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, साहस, देशभक्ति और प्रेरणा का अमर स्रोत

# भारत की धड़कन और प्रेरणा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी की पुण्यतिथि पर उनकी देशभक्ति को नमन

भारत संवाद

ऋषिकेश। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का नाम भारत के स्वतंत्रता संग्राम में साहस, त्याग और मातृभूमि के प्रति अटूट प्रेम का पर्याय है। उनका जीवन केवल इतिहास की धरोहर नहीं, बल्कि हर भारतीय के लिए जीवंत प्रेरणा है। 23 जनवरी 1897 को ओडिशा के कटक में जन्मे सुभाष चन्द्र बोस जी ने भारतीय प्रशासनिक सेवा की प्रतिष्ठित परीक्षा उत्तीर्ण की, किंतु मातृभूमि की सेवा को सर्वोच्च मानते हुए उससे त्यागपत्र दे दिया। यह त्याग उनके जीवन का लक्ष्य दशार्ता है कि वे व्यक्तिगत सुविधा नहीं, बल्कि केवल राष्ट्र की स्वतंत्रता चाहते थे।उनका मानना था कि स्वतंत्रता केवल धीरे-धीरे बातचीत से नहीं, बल्कि तत्कालिक और निर्णायक संघर्ष से ही प्राप्त हो सकती है। उनका प्रसिद्ध आह्वान ह्तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगाह्व आज भी हर भारतीय के हृदय में जोश भर देता है। उन्होंने आजाद हिन्द फौज का गठन कर भारतीयों में आत्मबल जगाया और यह विश्वास पैदा किया कि हम आत्मनिर्भर होकर अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दे सकते हैं। उनकी देशभक्ति केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं थी। वे अनुशासन, त्याग और सेवा को सच्चे राष्ट्रवाद की पहचान मानते थे। युवाओं के लिए नेताजी का जीवन यह संदेश है कि राष्ट्रप्रेम केवल नारों में नहीं, बल्कि कर्म में होना चाहिए। आज जब युवा पीढ़ी अनेक आकर्षणों में बँटी है, ऐसे में नेताजी का स्पष्ट दृष्टिकोण और अटूट संकल्प उन्हें मार्ग दिखाता है।

नेताजी के जीवन का सबसे दुखद पहलू उनकी मृत्यु का रहस्य है। आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार 1945 में विमान दुर्घटना में उनका निधन हुआ, किंतु भारत की जनता का एक बड़ा वर्ग इस पर विश्वास नहीं करता। दशकों से विभिन्न आयोग और जाँच समितियाँ बनीं, किंतु कोई संतोषजनक निष्कर्ष सामने नहीं आया। एक ऐसे महानायक, जिन्होंने अपना सर्वस्व राष्ट्र को अर्पित कर दिया, उसके जीवन और अंत से जुड़ी सच्चाई जानना भारत का अधिकार है। नेताजी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब राष्ट्र उनके मृत्यु की गुत्थियां सुलझा पायेगा।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि सुभाष चन्द्र बोस केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं बल्कि दूरदर्शी विचारक भी थे। उन्होंने ऐसे भारत का सपना देखा था जो आत्मनिर्भर, सशक्त और सामाजिक समानता पर आधारित हो। वे धर्म, जाति और क्षेत्र से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकता की बात करते थे। उनका मानना था कि जब तक जनता अपने स्वार्थों से ऊपर उठकर सामूहिक उत्थान का प्रयास नहीं करेगी, तब तक भारत प्रगति नहीं कर सकता।

आज 21वीं सदी में भी नेताजी का जीवन हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता से तात्पर्य है गरीबी, अज्ञानता, भ्रष्टाचार और सामाजिक विषमता से मुक्ति। युवाओं के लिए उनका जीवन यह संदेश है कि वे निर्भीक होकर आगे बढ़ें, आत्मविश्वास से काम करें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

उत्तर मध्य रेलवे

ई टेंडर निविदा सूचना संख्याः GEM/2025/B/6574413 दिनांकः 14.08.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है, जिसका विवरण निम्नलिखित हैः-

कार्य का नामः प्रयागराज मंडल के एनएसजी-2 से एनएसजी-6 श्रेणी के स्टेशनों पर यात्री मार्गदर्शन साइनेज बोर्ड यानी किराया तालिका बोर्ड, समय सारणी बोर्ड, रेलवे रियायत बोर्ड, यूटीएस / पीआरएस रिफंड बोर्ड, कुली दर बोर्ड और अन्य कार्यालय बोर्ड आदि की स्थापना और रखरखाव के कार्यों के लिए तीन साल की अवधि के लिए निविदा।

| | |
|---|---|
| निविदा सिस्टमः सिंगल पैकेट सिस्टम | ठेके की अवधिः तीन वर्ष |
| कार्य का अनुमानित लागत (जी.एस.टी. सहित): ₹ 1006684.66 | धरोहर राशिः ₹ 20200.00 |
| निविदा बंद होने की तिथि एवं समयः 08.09.2025 15:00 | |
| निविदा खोलने की तिथि एवं समयः 08.09.2025 15:30 | |

नोटः- (1) उपरोक्त ई निविदा का पूरा विवरण ( निविदा प्रपत्र सहित) Gem वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट www.gem.gov.in पर टेंडर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। (2) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरों को चाहिए कि वे अपने आपको Gem की वेबसाइट पर पंजीकृत कराये। (3) संलग्न किये जाने वाले सभी दस्तावेज निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। (4) ई निविदा फार्म सभी निविदाकारों को निशुल्क जारी किये जायेगें। (5) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए Gem की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। 1472/25(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

# सोयाबीन में लगते हैं चालीस रोग

### सोयाबीन के रोग एवं नियंत्रण

सोयाबीन में लगने वाले रोगों के कारण इसकी उपज में 15 से 20 प्रतिशत तक की हानि होती है। रोग मुख्यत: फफूंद, जीवाणु, विषाणु एवं सूत्रकृमि द्वारा होता है। इसके साथ ही कुछ तत्वों की कमी से भी ये रोग उत्पन्न होते हैं. भारत में सोयाबीन पर 40 से अधिक रोग पाये गये हैं, लेकिन इनमें कुछ फसल को अधिक क्षति पहुंचाते हैं।

## बीज एवं बीजांकुर के रोग

### बीज विवर्णन

रोगी बीज के ऊपर राख या भूरे रंग के धब्बे पाये जाते हैं। रोगी बीज प्राय: सिकुड़े, छोटे एवं क्रांतिहीन हो जाते हैं।

### बीज सड़न

बीज मुलायम होकर सड़कर नष्ट हो जाते हैं सड़े हुए बीजों पर हरे, नीले, काले एवं सफेद रंग की फफूंद दिखाई देती है। जीवाणु भी सोयाबीन में सड़न उत्पन्न करती है।

### बीजांकुर विगलन

ग्रसित बीज अंकुरित तो हो जाते हैं और भूमि के ऊपर आने के पूर्व या निकलने के बाद उनके मूलांकर गहरे भूरे रंग के होकर विगलित होने लगते हैं और नष्ट हो जाते हैं।

### बीज पत्रों के धब्बे

बीज पत्रों पर गोलाकार या अनियमित आकार के हल्के भूरे काले रंग के धब्बे बनते हैं। जिससे बीज पत्र गिर जाते हैं और पौधे की बढ़वार रुक जाती है।

### रोकथाम

रोगी नियंत्रण हेतु स्वस्थ बीज बोना चाहिये क्योंकि संक्रमित बीज बोने पर बीज सड़न, बीजांकुर विगलन एवं बीज पत्र के धब्बे जैसे लक्षण प्रकट होते हैं। भंडारण पूर्व भली-भांति सुखाकर, अच्छे बीज छांटकर बोने पर रोग नियंत्रण में लाभकारी रहता है। बोने के पूर्व बीजों को थीरम, कार्बेन्डाजाइम (2:1) अथवा थीरम, केप्टान (1:1) से उपचारित करना चाहिए।

## जड़ एवं तने के रोग

### फफूंद रोग:

पीथियम जड़ सड़न एवं आर्द्रपतन : बोनी के बाद लगातार वर्षा होने से तापमान घटने पर बीज या बीजांकुर सड़न होता है. आरंभ में रोगग्रस्त पौधे छोटे समूह में दिखाई देते हैं तथा पत्तियों के मुरझाने पर अंगमारी या उकटा जैसे लक्षण दर्शाते हैं. जड़े गल जाती हैं. वे खींचने पर टूट जाती हैं।

### रोकथाम -

बीजोपचार द्वारा रोका जा सकता है परायुक्त फफूंदनाशक अधिक प्रभावशाली होते हैं, लेकिन इसका राइजोबियन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसलिये केप्टान या थीरम 0.25 प्रतिशत 2 ग्राम प्रति कि.ग्रा. से बीजोपचार करना चाहिये। अच्छा जल निकास प्रकोप कम करता है।

### चारकोल सड़न:

यह रोग अधिक तापमान (35-40 डिग्री सेंटीग्रेड) व भूमि में नमी की कमी के कारण उग्र रूप धारण करता है, जबकि 40 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिक तापमान पर रोग में कमी आती है।

### रोकथाम:

मुख्य रूप से भूमि जनित रोग हैं। अत: गर्मी में गहरी जुताई, पौध अवशेष नष्ट करना तथा फसल चक्र अपनाना लाभदायक होता है। सिंचाई करने से पानी की कमी वाली स्थिति में रोग प्रसार रोक सकते हैं।

## जीवाणु जनित रोग

### जीवाणु जनित स्फोट:

रोग मुख्य रूप से पत्तियों पर प्रकट होते हैं, तथा प्रारंभ में जीवाणु जनित झुलसा रोग जैसे दिखाई देता है। पहले पत्तियों पर छोटे-छोटे सरसों के दाने जैसे 1 मि.मी. व्यास के पीले धब्बे दिखाई देते हैं, जो बीच में कत्थई भूरे रंग के होते हैं। कुछ समय बाद पत्ती की निचली सतह पर धब्बे के मध्य में उभरा हुआ फफोला बन जाता है। रोग की इस अवस्था पर फफोले की उपस्थिति और धब्बे के चारों ओर जलसिक्तों का अभाव द्वारा इसको झुलसा से अलग पहचाना जा सकता है। इसके छोटे-छोटे धब्बे मिलकर अनियमित आकार के बड़े गहरे भूरे रंग के धब्बे बनाते हैं।

## विषाणु जनित रोग

सोयाबीन मोजेक या सामान्य मोजेक : भारत में सर्वप्रथम 1956 में देखा गया था। सिंचित क्षेत्र में प्रकोप अधिक दिखाई देता है तथा 25 डिग्री सेंटीग्रेड पर लक्षण अधिक दिखाई देता है जबकि 30 डिग्री सेंटीग्रेड पर लक्षण छिप जाता है। पौधे के किसी भी अवस्था पर संक्रमण हो सकता है। रोगी पौधे छोटे इंटरनोड एवं पर्णवृन्त वाले छोटे पौधे होते हैं। पत्तियां छोटी, पतली, गहरे रंग के धब्बे वाली ऐंठी एवं मुड़ी हुई होती है। जिनके किनारे अंदर की ओर मुड़े हुए होते हैं। फलियां छोटी, चपटी, मुड़ी हुई, कम दाने वाली एवं संख्या में कम होती हैं। संक्रमण फूल आने के पहले होने पर विषाणु बीजों को संक्रमित कर चितकबरा कर देता है, जबकि फूल आने के बाद संक्रमण होने पर अधिकांश बीज विषाणु मुक्त होते हैं। एक ही फली में रोगी एवं स्वस्थ दोनों प्रकार के बीज हो सकते हैं। रोगी बीज का अंकुरण 12-35 प्रतिशत कम हो सकता है।

### प्राथमिक संक्रमण मुख्यत:

बीज से होता है। विषाणु बीज में 2 वर्ष तक उत्तर जीवित रह सकता है। फसल में विषाणुओं का द्वितीय संचारण रोगी पौधे के रगड़ने से तथा एफिड्स (माहू) के द्वारा होता है। विषाणु कीट में चार घंटे तक जीवित रह सकता है. प्रति पौधा 5 कीट अधिक संक्रमण करता है।

### रोकथाम:

स्वस्थ बीज का उपयोग करना चाहिये। रोगी पौधों को शीघ्र निकाल देना चाहिये एवं जमीन में दबा देना चाहिये। माहू के नियंत्रण के लिये कीटनाशक का उपयोग करना चाहिये।

### रोकथाम:

रोग रहित स्वस्थ बीज का उपयोग करें, बोने से पूर्व बीज को एग्रीमाइसन या स्ट्रेप्टोसाइक्लिन (100-200 पी.पी.एम.) 100-200 मि.ग्रा. प्रति लीटर उपचारित करें। उस पर आक्सीक्लोराइड की 0.2 प्रतिशत (2 ग्राम प्रति लीटर) तथा एग्रीमाइसिन या स्ट्रेप्टोसाइक्लिन का मिश्रण घोल अधिक लाभकारी होता है।

## फफूंद जनित रोग

### किट्ट रोग :

यह भारत में सर्वप्रथम 1980 में पंतनगर में महामारी के रूप में प्रकट हुआ। हालांकि इसके पहले 1965 में पूना में वर्णन मिलता है। इसके साथ ही सन् 1995, 1996, 1997 में मध्यप्रदेश में इसका आक्रमण अधिक हुआ था। रोग का आक्रमण प्राय: मध्य सितम्बर से अक्टूबर के प्रथम सप्ताह तक अधिक नमी व कम तापमान पर होता है।

### रोकथाम :

- रोग उत्पन्न होते ही जिनेब या मेन्कोजेब को 2.5 ग्राम/ली. पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।
- सोयाबीन की गेरूआ सहनशील किस्में जैसे - पी.के. 1029, पी.के. 1024, जे.एस. 80-21 एवं इंदिरा सोया 9 की काश्त करें।
- रोग की शुरूआत की अवस्था में ग्रसित पौधों को उखाड़कर नष्ट करें और फसल पर हेक्जाकोनाझोल (कन्टॉफ) या प्रोपीकोनाजोल (टिल्ट) 800 मिली. या ट्रायाडिमेफान (वेलेटान) 800 मिली. को 800 लीटर पानी में घोल बनाकर एक हेक्टेयर में छिड़काव करें। रोग की अधिकता पर दूसरा छिड़काव 15 दिनों बाद करें।
- इसके अलावा फसल चक्र अपनावें। फसल चक्र में मक्का, ज्वार, अरहर या कपास ले सकते हैं।
- ग्रीष्मकाल में खेत की गहरी जुताई करें।
- मक्का एवं तिल की फसल को मिश्रित फसल के रूप में सोयाबीन के साथ लें।

# बी.टी. कपास में रस चूसक कीट

**कपास में कीट प्रबंधन हेतु इन सभी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए समन्वित कीट प्रबंधन कीट नियंत्रण की प्रभावी विधि साबित हो सकती है।**

## समन्वित कीट प्रबंधन

कीट नियंत्रण की विभिन्न वैकल्पिक विधियों का बुद्धिमत्ता से चुनाव एवं उपयोग कर अंत में आवश्यकता पड़ने पर कीटों की आर्थिक क्षति स्तर अवस्था पर ही कीटनाशक दवाओं का सूझबूझ के साथ उपयोग किया जावे ताकि अनुकूल प्राकृतिक सामाजिक एवं आर्थिक परिणाम प्राप्त हो सकें।

यद्यपि यह प्रयास नया नहीं है परंतु अभी इसका प्रचलन सही तरीके से कृषकों तक प्रचारित एवं प्रसारित नहीं हो पाया है।

## समन्वित कीट नियंत्रण क्या है?

कीटों को नियंत्रण करने की समस्त क्रियाओं जैसे कृषिगत, यांत्रिक, जैविक तथा रसायनिक का समावेश करके कीटों की संख्या को नियंत्रित करने को समन्वित कीट नियंत्रण या प्रबंधन कहते हैं।

समन्वित कीट प्रबंधन की आवश्यकता क्यों - कपास फसल की उन्नत एवं संकर किस्मों के लगातार उपयोग एवं अधिक उत्पादन प्राप्त करने की होड़ में प्रायः किसान भाईयों द्वारा अत्यधिक मात्रा में असंतुलित उर्वरक, सिंचाई एवं विभिन्न प्रकार के उपलब्ध कीटनाशक दवाओं का अंधाधुंध, अनावश्यक एवं गलत समय में उपयोग किया जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप वातावरण जल एवं भूमि में प्रदूषण, प्राकृतिक असंतुलन, लाभदायक परजीवी एवं परभक्षी कीटों का नाश तथा विभिन्न कीटों में

कीटनाशक दवाओं के प्रति प्रतिरोधी क्षमता विकसित होने की संभावना बढ़ने लगी है। जिसके कारण समन्वित कीट नियंत्रण/ प्रबंधन के उपयोग की आवश्यकता महसूस होने लगी है।

## कपास में समन्वित कीट प्रबंधन

### वैकल्पिक विधियां -

### कृषि गत उपाय -

- पिछली फसल समाप्त होते ही खेत में जानवरों को चरावें तथा बचे अवशेषों को उखाड़कर/काटकर नष्ट करें साथ ही खेत की गहरी जुताई करें ताकि कीटों के अवशेष, अंडे इत्यादि नष्ट हो जावे।
- खेतों की मेढ़ों पर अन्य परपोषी पौधे जैसे जंगली भिंडी, अम्बाड़ी इत्यादि को काटकर जला दें।
- कपास की अंतरवर्तीय फसल जैसे कपास के साथ ज्वार, मक्का, सोयाबीन या चवला आदि लेने से कीट प्रकोप कम होता है।
- बोनी हेतु कीटरोधी किस्मों का चयन करें.
- रसायनिक उर्वरकों का संतुलित उपयोग करें। नत्रजन का अनावश्यक उपयोग न करें। साथ ही फसल की बढ़वार अधिक दिखाई देने पर वृद्धि नियंत्रक रसायन साईकोसिल का फसल पर उचित समय पर छिड़काव करें।
- फसल में खरपतवारों को न बढ़ने दें एवं समय-समय पर उनकी रोकथाम करें।
- जमीन के अनुकूल उपयुक्त पौध अंतरण पर बुआई की जावे।
- आवश्यकतानुसार सिंचाई कतार छोड़ पद्धति से करें।
- आवश्यक फसल चक्र अपनावे अर्थात् एक ही खेत में प्रतिवर्ष कपास न लें।

### यांत्रिक उपाय

- हानिकारक कीटों के व्यस्क कीटों को ट्रेप कर नष्ट करने के लिये प्रकाश प्रपंच/फेरोमेन ट्रेप का प्रयोग करें।
- पक्षियों को बैठने हेतु बर्ड पर्चर 20-25 नग (टी आकार की लकड़ी की खूटियां) प्रति हेक्टेयर लगावें जिस पर पक्षी बैठ सके एवं कीटों को खाकर नष्ट कर सके।

## जैविक उपाय

कपास फसल परितंत्र (इको सिस्टम) में लगभग 25-30 प्रकार के प्राकृतिक परजीवी, परभक्षी कीट एवं बीमारियां पाई जाती हैं जो किसान भाईयों को अति सूक्ष्म होने एवं पहचान नहीं होने के कारण दिखाई नहीं देते परंतु ये लाभदायक जीव अपना काम (कीट नियंत्रण) करते रहते हैं, एवं कपास के हानिकारक कीटों की संख्या पर अपना नियंत्रण करने का प्रयास भी करते रहते हैं। परंतु कीटनाशक दवाओं के असंतुलन एवं अत्यधिक उपयोग से ये लाभदायक कीट नष्ट हो जाते हैं, परिणामस्वरूप हानिकारक कीटों की संख्या में वृद्धि होने लगती है और ये कीट आर्थिक क्षति स्तर अवस्था को पार करके फसल एवं उसके डेण्डुओं को नुकसान पहुंचाकर नष्ट करने में सक्षम हो जाते है। अतः किसान भाईयों से अपेक्षा है कि वे निम्न लाभदायक जीवों को पहचानें एवं इनका संरक्षण एवं संवर्धन कर कपास फसल को बचाएं।

## परभक्षी क्रायसोपा

बाजार में उपलब्ध इस कीट के 1000 अंडे या इल्लियां / एकड़ के मान से कपास के खेत में माहो, सफेद मक्खी या चेपा का अधिक प्रकोप दिखाई देने की अवस्था में 8-10 दिनों के अंतराल पर दो बार छोड़ने से इन कीटों के प्रकोप में कमी आती है।

## परभक्षी लेडीबर्ड बीटल

कपास के साथ चवला, मक्का या ज्वार लगाने से इस कीट का संरक्षण होता है इस कीट के शिशु एवं व्यवस्क माहो को खाकर नष्ट करते हैं।

अन्य परभक्षी जैसे - नीलकंठ, काली चिड़िया, मैना, बगुले जो कीटों की इल्लियों को चुन-चुन कर खाते हैं, इनका संरक्षण करने हेतु खेतों में मक्का, ज्वार या बांस की लम्बी खूटियां जगह-जगह पर लगाना चाहिए।

## छिड़काव करते समय सावधानियां

- दो या दो से अधिक कीटनाशक दवाओं को बिना जानकारी के मिला कर छिड़काव नहीं करना चाहिए।
- कीटनाशक दवाओं का घोल छिड़काव पम्प में ही बनाने के तरीकों को रोकना चाहिए।
- लगातार बार-बार एक ही कीटनाशक दवा का उपयोग नहीं करना चाहिए तथा दवाओं को बदल-बदल कर उपयोग करें.
- सिंथेटिक पायराथ्राईड्स का उपयोग न करें इनके अनावश्यक प्रयोग से फसल में रस चूसक कीटों का प्रकोप होने की संभावना बढ़ होती है।
- छिड़काव हेतु पानी की मात्रा 500 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर के मान से उपयोग करना चाहिए।
- तेज धूप व तेज वर्षा के समय छिड़काव कार्य नहीं करना चाहिए।
- बरसात के मौसम में छिड़काव कार्य करते समय वर्षा की संभावना हो तो दवा के घोल में चिपकने वाली दवा जैसे सेण्डोविट या टीपोल आदि मिलाकर ही छिड़काव करें।
- कीटनाशक दवाओं का उपयोग एक तकनीकी कार्य है, अत : इसका उपयोग निर्देशानुसार पूर्ण सावधानी सहित अपनाना चाहिए।

# पुतिन ने पीएम मोदी को फोन किया

## ट्रम्प से हुई बातचीत की जानकारी दी; यूक्रेन जंग खत्म करने को लेकर मिले थे पुतिन-ट्रम्प

एजेंसी

नई दिल्ली, रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी को सोमवार शाम फोन किया। उन्होंने पिछले हफ्ते अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ हुई अपनी मुलाकात के बारे में जानकारी दी। मोदी ने बातचीत के जरिए यूक्रेन जंग का शांतिपूर्ण समाधान खोजने की बात कही। उन्होंने कहा कि भारत इस संबंध में सभी कोशिशों का समर्थन करता है। पीएम मोदी ने पुतिन को अलास्का में ट्रम्प के साथ उनकी बैठक के बारे में जानकारी साझा करने के लिए धन्यवाद दिया। दोनों नेताओं ने भारत और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर भी चर्चा की। रूसी राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 15 अगस्त की देर रात अलास्का में मुलाकात की थी। उनके बीच यूक्रेन जंग खत्म करने पर करीब 3 घंटे मीटिंग हुई थी। हालांकि यह मुलाकात बेनतीजा रही थी। पुतिन से मुलाकात को लेकर ट्रम्प ने कहा कि

उनकी मीटिंग बहुत अच्छी रही। दोनों कई बिंदुओं पर सहमत थे, लेकिन कोई डील नहीं हुई। ट्रम्प ने कहा कि कोई समझौता तभी होगा जब वह अंतिम रूप लेगा। ट्रम्प ने इस बैठक को 10 में से 10 अंक दिए। वहीं, पुतिन ने कहा कि उनके लिए रूस की सुरक्षा सबसे जरूरी है। उन्होंने अगली मीटिंग मॉस्को में करने का सुझाव दिया। अपनी बात कहने के बाद दोनों नेता मंच से तुरंत चले गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने 12 अगस्त को पीएम मोदी को फोन कर बातचीत की। जेलेंस्की ने एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा- मैंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ लंबी बातचीत की। हमने द्विपक्षीय सहयोग और वैश्विक कूटनीतिक पर विस्तार से चर्चा की। जेलेंस्की ने मोदी को यूक्रेन पर रूसी हमलों के बारे में बताया। उन्होंने कहा- मैंने उन्हें (पीएम मोदी को) हमारे ऊपर रूसी हमलों के बारे में बताया, खासकर कल जापोरिझिया में बस स्टेशन पर हुए हमले के बारे में, जहां रूस ने जानबूझकर एक शहर पर बमबारी की, जिसमें दर्जनों लोग घायल हुए। जेलेंस्की ने कहा कि- भारत हमारे शांति प्रयासों का समर्थन कर रहा है और इस बात पर सहमत है कि यूक्रेन से जुड़ा हर फैसला यूक्रेन की भागीदारी के साथ ही होना चाहिए। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात की थी। ट्रम्प टैरिफ विवाद के बीच पीएम मोदी और पुतिन ने भारत-रूस संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा- मेरी राष्ट्रपति पुतिन के साथ बहुत अच्छी और डिटेल बातचीत हुई। मैंने यूक्रेन के हालात पर जानकारी शेयर करने के लिए उन्हें धन्यवाद कहा। हमने अपने आपसी सहयोग बढ़ाने और भारत-रूस की रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। मैं इस साल के अंत में राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा का इंतजार कर रहा हूं। राष्ट्रपति पुतिन इस साल के आखिरी हफ्ते में भारत दौरे पर आएंगे। रूसी न्यूज एजेंसी तास ने कल यह जानकारी ठरअ अजीत डोभाल के हवाले से दी थी। अब ढट मोदी से हुई बातचीत के बाद यह तय है कि पुतिन इस साल के आखिर में भारत आएंगे। डोभाल ने रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु से मुलाकात में कहा था, अब हमारे रिश्ते बहुत खास बन गए हैं,

# पाकिस्तानी मंत्री बोले- भारत चमकती मर्सिडीज, पाकिस्तान डंपर ट्रक

## अगर ये दोनों टकराए, तो नुकसान किसका होगा; भारत के 6 जेट गिराने का दावा किया

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने 17 अगस्त को आर्मी चीफ आसिम मुनीर की तरह भारत को चमकती मर्सिडीज बताया है। दरअसल, 11 अगस्त को अमेरिका दौरे पर पहुंचे मुनीर ने भारत को चमकती मर्सिडीज और पाकिस्तान को रेत से भरा डंपर ट्रक कहा था। उन्होंने कहा- अगर ट्रक कार से टकराएगा, तो नुकसान किसका होगा? भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के दौरान मुनीर के नेतृत्व की सराहना करते हुए नकवी ने कहा कि- आर्मी चीफ ने जंग के दौरान मई में पाकिस्तान का दौरा करने वाले सऊदी डेलिगेशन के सामने

पाकिस्तान की ताकत का बखान करने के लिए इसी उदाहरण का इस्तेमाल किया था। साथ ही नकवी ने दावा किया कि संघर्ष में पाकिस्तान ने भारत के 6 जेट को मार गिराया था। उन्होंने कहा कि उनके पास इसकी वीडियो फुटेज भी है, लेकिन उन्होंने कोई सबूत पेश नहीं किया। नकवी ने यह भी कहा कि हमें पहले से पता था कि भारत क्या योजना बना रहा है और कौन से विमान इस्तेमाल करेगा। नकवी ने दावा किया कि भारत-पाक सैन्य संघर्ष के दौरान भारत का कोई भी मिसाइल पाकिस्तान के किसी बड़े सैन्य अड्डे पर नहीं गिरा। नकवी ने कहा कि पाकिस्तान ने भारत के एक तेल डिपो को तबाह कर दिया। हालांकि, पाकिस्तान ने अभी तक कोई वीडियो या ठोस सबूत सार्वजनिक नहीं किया है।

भारतीय वायुसेना के एयर मार्शल एके भारती ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि भारत ने पाकिस्तान के भीतर चुनिंदा सैन्य ठिकानों पर सटीक और संतुलित हमले किए। भारत ने इन दावों को पहले ही खारिज कर चुका है। सिंगापुर में 31 मई को भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने पाकिस्तान के दावों को पूरी तरह गलत बताया था। भारत ने मैक्सार टेक्नोलॉजी की हाई-रेजोल्यूशन सैटेलाइट तस्वीरों से बता चुका है कि पाकिस्तान के कई हवाई अड्डों पर हमले किए गए, जिसमें रनवे, हैंगर और इमारतों को भारी नुकसान हुआ। मुनीर ने अमेरिका के दौरे के समय एक कार्यक्रम में कहा था कि हम भारत में सिंधु नदी पर डैम बनने का इंतजार करेंगे, और भारत जब ऐसा कर लेगा तो फिर 10 मिसाइल मारकर उसे गिरा देंगे। मुनीर ने कहा कि सिंधु नदी भारत की फैमिली प्रॉपर्टी नहीं है, हमारे पास मिसाइलों की कमी नहीं है। आसिम मुनीर ने कहा था, 'भारत के सिंधु जल समझौता रद्द करने के फैसले से 25 करोड़ लोगों के लिए भुखमरी का खतरा पैदा हो सकता है।

# पुतिन के बाद जेलेंस्की से मिलेंगे ट्रम्प

## पिछली बार दोनों में तीखी बहस हुई थी; आज फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी और इटली के लीडर्स मौजूद रहेंगे

एजेंसी

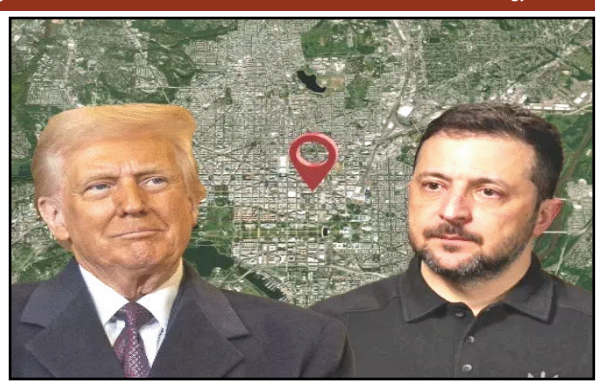

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की आज व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात का एजेंडा रूस-यूक्रेन जंग रोकना है। इस बैठक में जेलेंस्की के अलावा यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन, नाटो महासचिव मार्क रूटे, ब्रिटिश ढट कीर स्टार्मर, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और इटली की ढट जॉर्जिया मेलोनी भी शामिल होंगे। ट्रम्प और जेलेंस्की की 7 महीने में यह तीसरी मुलाकात होगी। पिछली बार जब जेलेंस्की अमेरिका गए थे तो वहां उनकी ट्रम्प से जमकर बहस हुई थी। ट्रम्प ने जेलेंस्की से कहा था कि वे अमेरिकी मदद को लेकर शुक्रगुजार नहीं हैं। इस बहस की वजह से दोनों देशों के बीच मिनरल डील नहीं हो पाई थी। माना जा रहा है कि इस बार ऐसी स्थिति न बने, इसलिए जेलेंस्की के साथ बाकी नेता भी इसमें शामिल हों रहे हैं। जेलेंस्की वॉशिंगटन पहुंच चुके हैं। दोनों नेताओं में तीखी बयानबाजी के बाद यह बातचीत बिना किसी समझौते के खत्म हो गई थी। इसके बाद दोनों 26 अप्रैल को रोम में पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में मिले थे। ट्रम्प ने तीन दिन पहले ही यूक्रेन जंग को लेकर रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की थी। 3 घंटे मीटिंग के बाद भी यह बातचीत बेनतीजा रही थी। ट्रम्प पहले ही कह चुके हैं कि जंग रोकने के लिए यूक्रेन को रूस से जमीन की अदला-बदली करनी होगी। ऐसे में आज की मुलाकात में एक बार फिर से इस मुद्दे पर बात हो सकती है। ट्रम्प के साथ मीटिंग में जेलेंस्की का मुख्य फोकस तीन मुद्दों पर रहेगा। 1- यूक्रेन में आम लोगों की हत्याएं बंद हो, 2- रूस पर और ज्यादा प्रतिबंध लगाए जाएं, 3- पहले स्थायी सीजफायर हो फिर सुरक्षा गारंटी मिले। इसके अलावा जेलेंस्की यूक्रेन, अमेरिका और रूस के बीच त्रिपक्षीय बैठक का समर्थन कर चुके हैं। ट्रम्प के साथ इस मुलाकात में जेलेंस्की का जोर इस बात पर भी रहेगा कि किसी भी समझौते में यूक्रेन की सुरक्षा और संप्रभुता को प्राथमिकता दी जाए। रूस ने यूक्रेन के करीब 20% हिस्से, यानी लगभग 1 लाख 14 हजार 500 वर्ग किलोमीटर पर कब्जा कर रखा है। इसमें क्रीमिया, डोनेट्स्क, लुहांस्क, खेरसॉन और जापोरिज्जिया जैसे क्षेत्र शामिल हैं। रूस इन क्षेत्रों को अपनी सामरिक और ऐतिहासिक धरोहर मानता है और इन्हें छोड़ने को तैयार नहीं है। पुतिन साफ कह चुके हैं कि यूक्रेन से शांति को लेकर बातचीत तभी हो सकती है जब यूक्रेन, रूस के कब्जाए गए क्षेत्रों से अपना दावा छोड़े और उन इलाकों को रूस के हिस्से के रूप में स्वीकारे। जेलेंस्की यूक्रेन की एक इंच जमीन भी रूस को नहीं देंगे। उनका मानना है कि अगर यूक्रेन अभी पीछे हटता है

तो इससे देश की संप्रभुता और सुरक्षा कमजोर हो सकती है। साथ ही रूस को भविष्य में और ज्यादा हमले करने का मौका मिल सकता है। ट्रम्प ने 13 अगस्त को यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं के साथ वर्चुअल मीटिंग की। इस मीटिंग में ट्रम्प ने जंग खत्म करने के लिए जमीन अदला-बदली की बात कही थी। इस पर जेलेंस्की ने कहा- यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता पर किसी भी तरह का फैसला हमारे संविधान और जनता की इच्छा को ध्यान में रखे बिना नहीं हो सकता। हमारे सिद्धांत और हमारी जमीन से जुड़े फैसले नेताओं के स्तर पर ही होंगे, लेकिन इसमें यूक्रेन की भागीदारी जरूरी है। जेलेंस्की ने बिना किसी शर्त के युद्धविराम की मांग की।

# अमेरिकी मंत्री बोले- चीन पर पाबंदी क्यों नहीं लगाई

## चीन रूसी तेल ग्लोबल मार्केट में बेचता है, प्रतिबंध से कीमतें बढ़ेंगी; भारत पर 50% टैरिफ

एजेंसी

वॉशिंगटन डी सी, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका ने चीन पर कोई प्रतिबंध इसलिए नहीं लगाया क्योंकि चीन रूस से खरीदे गए तेल को रिफाइन करके ग्लोबल मार्केट में बेचता है। फॉक्स को दिए इंटरव्यू में रुबियो ने कहा, 'चीन पर प्रतिबंध लगाने से दुनिया में तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं।' उन्होंने कहा, 'अगर आप उस तेल को देखें जो चीन जा रहा है और रिफाइन किया जा रहा है, तो उसमें से बहुत कुछ वापस

यूरोप में बेचा जा रहा है। यूरोप अभी भी प्राकृतिक गैस रूस से खरीद रहा है।' ये देश चीन पर प्रतिबंधों को लेकर चिंतित हैं। वहीं, अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल और हथियार खरीदने के लिए 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। जो 27 अगस्त से लागू होगा, इससे भारत पर कुल 50% टैरिफ हो जाएगा। रुबियो ने कहा कि यूरोपीय देश चीन के माध्यम से रूस का तेल खरीदते हैं। ये देश चीन पर प्रतिबंधों को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा, 'जब सीनेट में चीन और भारत पर 100% टैरिफ का प्रस्ताव आया, तो कई यूरोपीय देशों ने इस पर चिंता जताई।' जब पूछा गया कि क्या यूरोप पर रूस से तेल और गैस खरीदने के लिए प्रतिबंध लगाए जाएंगे, तो रुबियो ने कहा, 'मैं यूरोप पर सीधे प्रतिबंध की बात नहीं कर रहा, लेकिन सेकेण्डरी सेंक्शन का असर हो सकता है।' उन्होंने कहा कि यूरोप के साथ टकराव की बजाय, वे इस मामले में पहले बात करेंगे। रूस से क्रूड ऑयल का सबसे बड़ा खरीदार चीन है। दिसंबर 2022 से जून 2025 तक रूस के कुल क्रूड निर्यात का 47% हिस्सा चीन को गया। वहीं, भारत ने 38%, यूरोपीय यूनियन और तुर्किये ने 6%-6% क्रूड ऑयल रूस से आयात किया। अमेरिका ने भी रूस से 2024 में 3 अरब डॉलर का सामान आयात किया था।

# पीएम नरेंद्र मोदी ने शुभांशु शुक्ला से आवास पर की मुलाकात

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दिल्ली में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला से मुलाकात की, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए एक्सिओम-4 अंतरिक्ष मिशन के पायलट थे। बैठक के दौरान शुक्ला ने प्रधानमंत्री मोदी को एक्सिओम-4 मिशन पैच भेंट किया और अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से ली गई पृथ्वी की तस्वीरें साझा कीं। शुक्ला, जो एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरिक्ष उड़ान भरने वाले दूसरे भारतीय बन गए थे, रविवार तड़के भारत लौटे और उनका भव्य स्वागत किया गया। लाल किले पर 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत अपना अंतरिक्ष स्टेशन विकसित कर रहा है और उन्होंने यह भी बताया कि ग्रुप कैप्टन शुक्ला एक अंतरिक्ष मिशन से लौट आए हैं। मोदी ने कहा था, ₹हमारे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष स्टेशन से लौट आए हैं। आने वाले दिनों में, वह भारत लौट रहे हैं।शुक्ला की भारत वापसी के उपलक्ष्य में सोमवार को लोकसभा में 'अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री - 2047 तक विकसित भारत के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका' विषय पर एक विशेष चर्चा भी हुई। शुक्ला, जो एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरिक्ष उड़ान भरने वाले दूसरे भारतीय बने, और उनके सहायक अंतरिक्ष यात्री प्रशांत बालकृष्णन नायर का हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने स्वागत किया। शुक्ला की पत्नी कामना और बेटा कियाश भी अंतरिक्ष उड़ान के लिए अमेरिका में लगभग एक साल के प्रशिक्षण के बाद, जो अंततः 25 जून से 15 जुलाई तक चला, उनका स्वागत करने के लिए हवाई अड्डे पर मौजूद थे। ढोल-नगाड़ों की ध्वनि के साथ शुक्ला का स्वागत करने के लिए इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राष्ट्रीय तिरंगा लहराते हुए एक बड़ी भीड़ जमा हुई थी।

**लाल किले पर 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत अपना अंतरिक्ष स्टेशन विकसित कर रहा है और उन्होंने यह भी बताया कि ग्रुप कैप्टन शुक्ला एक अंतरिक्ष मिशन से लौट आए हैं।**

# 'उत्तर प्रदेश माफिया मुक्त नहीं, महामाफिया...'

**कानपुर के अधिवक्ता अखिलेश दुबे पर आरोप है कि उन्होंने फर्जी मुकदमों में लोगों को फंसाकर उनसे रंगदारी वसूली। वह वर्तमान में जेल में बंद हैं। विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट के अनुसार, अखिलेश दुबे ने अधिकारियों के साथ मिलकर 1500 करोड़ रुपये से अधिक की जमीन पर कब्जा किया। जांच में अब तक 54 फर्जी मुकदमे सामने आए हैं, जिनमें उनकी संलिप्तता पाई गई है। दावा है कि इस सांठगांठ में कई आईपीएस और पीपीएस अधिकारी भी शामिल थे, जिनकी अवैध कमाई को अखिलेश की कंपनियों और जमीनों में निवेश किया गया।**

## अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर साधा निशाना...

एजेंसी

लखनऊ, अखिलेश यादव ने कानपुर के चर्चित वकील के मामले को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इस मामले में बीजेपी को कटघरे में खड़ा करते हुए आरोप लगाया कि पुलिस और भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से यह पूरा खेल चल रहा था। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा, ₹उत्तर प्रदेश

में बीजेपी का भ्रष्टाचार त्रिकोणीय है: फर्जी एनकाउंटर करने वाली भ्रष्ट बीजेपी सरकार, काला धन कमाने वाले बीजेपी समर्थित भ्रष्ट अधिकारी, और इन दोनों की करतूतों को छिपाने वाला बीजेपी का वकील। हजारों करोड़ की कमाई करने वाला यह भ्रष्टाचारी न तो ड्रोन की नजर में आया और न ही दूरबीन से दिखा। मामला तब सामने आया जब इनके बीच की आपसी रंगदारी का धंधा उजागर हुआ।

### अखिलेश का तंज: बुलडोजर अब चलेगा या मामला दब जाएगा?

उन्होंने आगे लिखा, अब यह देखना बाकी है कि इस बीजेपी समर्थित भू-माफिया की अवैध जमीनों पर बुलडोजर खुद चलता है, या हमारी इस पोस्ट के बाद कार्रवाई होती है, या फिर कोई बड़ा रंगदार इनसे वसूली कर मामले को रफा-दफा कर देगा। उत्तर प्रदेश को 'माफिया मुक्त' करने का दावा करने वाले अब कहां हैं? सच्चाई यह है कि उत्तर प्रदेश माफिया मुक्त नहीं हुआ, बल्कि माफिया एकजुट होकर 'महामाफिया' बन गया है।

इस मामले का खुलासा तब हुआ, जब बीजेपी नेता रवि सतीजा ने अखिलेश दुबे के खिलाफ शिकायत दर्ज की। उन्होंने आरोप लगाया कि दुबे ने उनसे 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी और फर्जी केस दर्ज कराया। शिकायत के बाद अखिलेश दुबे की गिरफ्तारी हुई, और 17 अगस्त के बाद से उनके खिलाफ 5 प्राथमिकियां (एफआईआर) दर्ज की जा चुकी हैं। इस मामले में और भी खुलासे होने की संभावना है।

# जन विश्वास विधेयक 2.0 पेश, 288 प्रावधानों को अपराधमुक्त करने का प्रस्ताव

**सरकार ने लोकसभा में एक नया विधेयक पेश किया, जिसे बाद में सेलेक्शन कमेटी के पास भेज दिया गया.**

**इसके बाद विधेयक को जांच के लिए लोकसभा की सेलेक्शन कमेटी के पास भेज दिया गया. समिति को संसद के अगले सत्र के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट सदन में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है. यह विधेयक विपक्षी दलों के हंगामे के बीच पेश किया गया, जिन्होंने बिहार में मतदाता सूची संशोधन और अन्य मुद्दों पर चर्चा की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया.**

एजेंसी

नई दिल्ली: सरकार ने सोमवार को लोकसभा में एक नया विधेयक पेश किया, जो जीवन को सुगम बनाने और कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न कानूनों के तहत छोटे-मोटे अपराधों से संबंधित 288 प्रावधानों को अपराधमुक्त करता है.यह दूसरा जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक है. इससे पहले 2023 में सरकार ने 19 मंत्रालयों और विभागों द्वारा प्रशासित 42 केंद्रीय अधिनियमों के 183 प्रावधानों को अपराधमुक्त करते हुए एक ऐसा ही कानून बनाया था.जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक 2025 पेश करते हुए, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इसका उद्देश्य कारोबार को सुगम बनाने के लिए विश्वास-आधारित शासन को बढ़ावा देना है.चार एक्ट को अधिक अपराधमुक्त करने का प्रस्तावइस विधेयक में मोटर वाहन अधिनियम 1988, नई दिल्ली नगर परिषद अधिनियम 1994 और सड़क परिवहन निगम अधिनियम 1950 सहित कई कानूनों से संबंधित मानदंडों को अपराधमुक्त करने का प्रस्ताव है.\

# संसद में चुनाव आयोग पर अब और हंगामा नहीं : रिजिजू

**रिजिजू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि चुनाव आयोग और राजनीतिक दलों के बीच किसी भी विवाद पर सीधे चुनाव आयोग में चर्चा होनी चाहिए, संसद में नहीं। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव आयोग और कांग्रेस पार्टी के बीच के मुद्दे पर चुनाव आयोग में चर्चा होनी चाहिए, संसद में नहीं। हम चुनाव आयोग के प्रवक्ता नहीं हैं।**

## चुनाव आयोग और राजनीतिक दलों के बीच किसी भी विवाद पर सीधे चुनाव आयोग में चर्चा होनी चाहिए, संसद में नहीं।

एजेंसी

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों से चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों पर संसद में व्यवधान पैदा करने से बचने का आह्वान किया। रिजिजू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि चुनाव आयोग और राजनीतिक दलों के बीच किसी भी विवाद पर सीधे चुनाव आयोग में चर्चा होनी चाहिए, संसद में नहीं। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव आयोग और कांग्रेस पार्टी के बीच के मुद्दे पर चुनाव आयोग में चर्चा होनी चाहिए, संसद में नहीं। हम चुनाव आयोग के प्रवक्ता नहीं हैं। चुनाव आयोग एक स्वायत्त संस्था है और हम

उनकी ओर से जवाब नहीं दे सकते। उन्होंने विपक्ष से चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों पर ₹हंगामा₹ न करने का आग्रह किया।रिजिजू ने कहा कि जहाँ तक कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों का सवाल है, उन्होंने चुनाव आयोग के मुद्दे पर सदन में हंगामा किया। मैं उनसे अनुरोध करता हूँ कि वे इस चर्चा के दौरान हंगामा न करें। रिजिजू ने यह भी घोषणा की कि संसद कैप्टन शुभांशु शुक्ला और भारत के अंतरिक्ष मिशन के तहत अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की उनकी हालिया अंतरिक्ष यात्रा के सम्मान में एक विशेष चर्चा आयोजित करेगी। रिजिजू ने कहा कि आज संसद में हम एक विशेष चर्चा के माध्यम से कैप्टन शुभांशु शुक्ला का सम्मान करने जा रहे हैं। हम उनकी अंतरिक्ष यात्रा और भारत के अंतरिक्ष मिशन पर विस्तार से चर्चा करेंगे।उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी दलों के सदस्य सकारात्मक रूप से भाग लेंगे, जैसा कि हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा में द्विदलीय समर्थन देखने को मिला था। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि जिस तरह सभी दलों के सदस्यों ने ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा में हिस्सा लिया, उसी तरह सभी दल कैप्टन शुभांशु शुक्ला और भारतीय वैज्ञानिकों को बधाई देंगे और इस चर्चा में भी भाग लेंगे। नासा के एक्सिओम-4 (अ-4) अंतरिक्ष मिशन को पूरा करने के बाद 15 जुलाई को पृथ्वी पर लौटे शुक्ला रविवार तड़के दिल्ली पहुँचे।